हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 37 | प्रयागराज, सोमवार 08 मई , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

अंदरूनी असंतोष, तालमेल की कमी से तेलंगाना भाजपा की चुनावी तैयारी पर असर

हैदराबाद। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव कुछ ही महीने दूर हैं। ऐसे में भाजपा की राज्य इकाई को एक एकजुट इकाई के रूप में चुनावी लड़ाई लड़ने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि भाजपा दावा कर रही है कि सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का वह एकमात्र व्यवहार्य विकल्प है और सत्ता में आने के प्रति आश्वस्त है, भाजपा खेमे में विभिन्न गुटों के बीच अंदरूनी असंतोष देखा जा रहा है। मतभेद इस सप्ताह फिर से सामने आए जब नेताओं का एक वर्ग पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बंदी संजय और अन्य वरिष्ठ नेताओं को सूचित किए बिना पूर्व सांसद पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और जुपल्ली कृष्ण राव को भाजपा में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने के लिए उनसे मिलने लिए खम्मम गया।

भाजपा में नेताओं को शामिल कराने के लिए बनी समिति के अध्यक्ष और हुजुराबाद के विधायक एटाला राजेंदर और कुछ अन्य नेता जो पार्टी में नए हैं, श्रीनिवास रेड्डी और कृष्णा राव से मिले। बंदी संजय को उनकी इस यात्रा की कोई जानकारी नहीं थी। दो समूहों के बीच संघर्ष के बारे में मीडियाकर्मियों के सवाल पर संजय के एक स्पष्टीकरण से साफ हो गया कि पार्टी नेताओं के बीच तालमेल में कमी है। उन्होंने कहा, मुझे बैठक के बारे में कोई जानकारी नहीं थी क्योंकि हाल ही में मेरा मोबाइल खो गया था। संजय ने पिछले सप्ताह पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि एसएससी पेपर लीक मामले में गिरफ्तारी के दौरान उनका फोन खो गया था। संजय ने आगे कहा कि एटाला और अन्य लोगों यदि ऐसे लोगों से मिलते हैं जिनके उनके साथ अच्छे संबंध हैं तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। बंदी संजय के वफादार कुछ नेता इस बात से नाखुश थे कि उन्हें बैठक के बारे में पहले से सूचित नहीं किया गया था। पुराने और नए नेताओं के बीच अनबन की खबरों के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है। राज्य मंत्रिमंडल से हटाए जाने के बाद एटाला ने 2021 में बीआरएस छोड़ दी और भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने विधायक के रूप में भी इस्तीफा दे दिया और हुजुराबाद में अपनी व्यक्तिगत लोकप्रियता के दम पर भाजपा उम्मीदवार के रूप में उपचुनाव में भारी अंतर से जीत हासिल की। पिछले साल, भाजपा नेतृत्व ने उन्हें ज्वाइनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया, जिसे अन्य दलों के नेताओं के साथ भगवा पार्टी में आमंत्रित करने के लिए बातचीत करने का काम सौंपा गया है। श्रीनिवास रेड्डी और कृष्णा राव को हाल ही में पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए बीआरएस द्वारा निलंबित कर दिया गया था। इसलिए, एटाला और अन्य ने उन्हें भगवा पार्टी में शामिल होने के लिए राजी करने के लिए बातचीत की। पांच घंटे से अधिक चली बैठक के दौरान दोनों ने कथित तौर पर कोई आश्वासन नहीं दिया, लेकिन बहुत जल्द अपने अंतिम निर्णय का खुलासा करने का वादा किया। बैठक में भाजपा विधायक रघुनंदन राव, चेवेल्ला के पूर्व सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी और पूर्व विधायक एनुगु रविंदर रेड्डी उपस्थित थे। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि दिग्गज नेताओं और नए लोगों के बीच मतभेद भाजपा में एक परेशान करने वाला चलन है। इसके नेता पुराने वफादार नेताओं और दूसरी पार्टियों से आए नेताओं के बीच आपसी कलह के लिए कांग्रेस का उपहास उड़ाते थे, लेकिन भगवा पार्टी को अब खुद ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

यह पहली बार नहीं है जब बीजेपी के खेमे में तल्खी देखने को मिल रही है। हाल ही में भाजपा सांसद अरविंद धरमपुरी मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी और बीआरएस नेता के. कविता के खिलाफ बंडी संजय की कथित अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ खुलकर सामने आए थे। निजामाबाद के सांसद ने कहा था कि वह बांदी की टिप्पणी से सहमत नहीं हैं।

यह पार्टी के लिए एक झटका था क्योंकि अरविंद मुख्यमंत्री केसीआर और उनके परिवार के कटु आलोचक हैं। 2019 में उन्होंने निजामाबाद में सांसद कविता को हराया था।

संजय की टिप्पणी पर अरविन्द का दोष निकालना भाजपा के लिए आश्चर्य की बात थी और इससे नेताओं के बीच मतभेद का संकेत मिलता था। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य और वरिष्ठ नेता पेराला शेखर राव भी संजय की टिप्पणियों के खिलाफ आ गए थे। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की बातों से विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी को नुकसान होगा। बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया कि संजय ने कविता के खिलाफ अपमानजनक बयान देते हुए कहा कि अगर कविता को गिरफ्तार नहीं किया गया तो क्या उसे चूमा जाएगा। वह दिल्ली शराब नीति मामले का जिक्र कर रहे थे जिसमें उनसे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूछताछ की है। बीआरएस की महिला नेताओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। भाजपा नेता को राज्य महिला आयोग ने भी तलब किया और खिंचाई की। मार्च में, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा महासचिव संगठन बी.एल. संतोष और तेलंगाना प्रभारी तरुण चुघ ने अरविंद सहित राज्य के पार्टी नेताओं के साथ बैठक की। हंगामे को संज्ञान में लेते हुए केंद्रीय नेतृत्व ने राज्य के नेताओं को स्पष्ट कर दिया कि पार्टी के भीतर अलग–अलग खेमों के लिए कोई जगह नहीं है। कथित तौर पर अमित शाह ने राज्य नेतृत्व से कहा कि अगर भाजपा को तेलंगाना में सत्ता में आना है, तो उसे एक एकजुट इकाई की तरह लड़ना होगा। बंदी संजय को भाजपा के शीर्ष नेताओं का विश्वास प्राप्त है क्योंकि उनके नेतृत्व में पार्टी ने दो विधानसभा उपचुनाव जीते, तीसरे उपचुनाव में एक मजबूत लड़ाई लड़ी और ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम में अपनी स्थिति में भी काफी सुधार किया। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि हालिया घटनाक्रम के मद्देनजर भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व गुटों को स्पष्ट चेतावनी दे सकता है कि वे अपने मतभेदों को भुलाकर एकजुट होकर चुनाव लड़ने पर ध्यान दें।

विहिप ने मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ भेजा कानूनी नोटिस, मांगा 100 करोड़ रुपए का मुआवजा

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर अपनी पार्टी के कर्नाटक चुनाव घोषणापत्र में बजरंग दल के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए उन्हें कानूनी नोटिस जारी किया है। साथ ही 100 करोड़ रुपए का हर्जाना मांगा है। विहिप की चंडीगढ़ इकाई और उसकी युवा शाखा बजरंग दल ने 4 मई को नोटिस जारी कर 14 दिनों के भीतर हर्जाने की मांग की है। इस संबंध में भेजे गए प्रश्नों पर कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अपने चुनावी घोषणापत्र में कांग्रेस ने कहा कि वह जाति और धर्म के नाम पर समुदायों में नफरत फैलाने वाले व्यक्तियों और संगठनों जैसे बजरंग दल और 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ ठोस और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। पार्टी ने वादा किया कि कार्रवाई में ऐसे संगठनों के खिलाफ ''प्रतिबंध शामिल होगा। विहिप के वकील और इसके कानूनी प्रकोष्ठ के सह–प्रमुख साहिल बंसल ने खड़गे को भेजे कानूनी नोटिस में आरोप लगाया, ''आपने घोषणापत्र के पृष्ठ–10 में विश्व हिंदू परिषद के सहयोगी संगठन बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा करके और उसकी तुलना प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया और इसी तरह के आतंकवादी संगठन 'स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) से करने के लिए मानहानिकारक बयान दिए। बंसल ने कहा कि बजरंग दल ''पूरी तरह से धर्म और मानव जाति की सेवा के लिए समर्पित है।श्श उन्होंने कहा, ''अपमानजनक बयान के कारण मेरे मुवक्किल की प्रतिष्ठा को पहुंचे नुकसान की भरपायी के लिए हर्जाना दिया जाए। विहिप के वकील ने खरगे को कानूनी नोटिस जारी होने के 14 दिनों के भीतर विहिप और बजरंग दल को कुल 100 करोड़ रुपए का हर्जाना देने की ''सलाह दी।

चुनावी वादे पर कांग्रेस का यू टर्न! चिदंबरम बोले, बजरंग दल पर बैन नहीं निर्णायक कार्रवाई करने को कहा था

नई दिल्ली। बजरंग दल विवाद के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने रविवार को कहा कि कर्नाटक चुनाव से संबंधित उनकी पार्टी के घोषणा–पत्र में यह कतई नहीं कहा गया है कि राज्य में उनकी पार्टी की सरकार बनने की स्थिति में संगठन (बजरंग दल) पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा, लेकिन नफरत फैलाने वाले सभी संगठनों के खिलाफ कानून के दायरे में 'निर्णायक कार्रवाई किए जाने का वादा जरूर किया गया है। चिदंबरम ने भाजपा द्वारा की जा रही आलोचनाओं को लेकर उस पर पलटवार करते हुए बजरंग दल की तुलना बजरंगबली से किए जाने पर सवाल भी उठाया और पूछा कि इस जादुई परिवर्तन की व्याख्या कैसे की जा सकती है। कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले दिए एक साक्षात्कार में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि राज्य के लोग बुद्धिमानी से अपने प्रतिनिधि का चयन करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उम्मीदवारों का चयन तय करेगा कि कर्नाटक एक उदार, लोकतांत्रिक, बहुलवादी, सहिष्णु और प्रगतिवादी मॉडल बनेगा या फिर अंतर्मुखी, बहुसंख्यकवादी, असहिष्णु और दमनकारी राज्य। कांग्रेस नेता ने कहा, ''लोकतंत्र और कर्नाटक के भविष्य के लिए, हमें भाजपा को कर्नाटक में जीतने और इस जीत को पड़ोसी राज्यों में भुनाने से रोकना चाहिए। राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनसीआर) लागू करने के भाजपा के वादे के बारे में पूछे जाने पर, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दोनों ऐसे मुद्दे हैं, जो समाज को विभाजित करने और सामाजिक संघर्ष को बढ़ावा देने की क्षमता रखते हैं। चिदंबरम ने कहा, कुछ उत्तरी और पूर्वोत्तर राज्यों में जो कुछ हुआ है, उसका हमें अनुभव है। कांग्रेस के घोषणा–पत्र में 'बजरंग दल जैसे संगठनों के खिलाफ संभावित कार्रवाई के वादे को भाजपा द्वारा चुनावी मुद्दा बनाए जाने और इससे चुनाव पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा–पत्र में ऐसा कुछ भी नहीं कहा गया है कि ''हम बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाएंगे। चिदंबरम ने कहा, कृपया दो वाक्यों को फिर से पढ़ें। इसमें दो संगठनों का जिक्र है, जो कठोर भाषा का इस्तेमाल करते हैं और चरमपंथी गतिविधियों में शामिल होते हैं। कांग्रेस ने नफरत फैलाने वाले सभी संगठनों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने कानून के तहत निर्णायक कार्रवाई का वादा किया है।

दिल्ली: फैक्टरी में लगी आग, एक महिला की मौत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के दयालपुर इलाके में एक फैक्टरी में आग लगने से वहां काम करने वाली 30 वर्षीय महिला की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गोकलपुरी निवासी माया चांदबाग स्थित लैपटॉप कैबिनेट बनाने वाली फैक्टरी में काम करती थी। उन्होंने बताया कि शनिवार अपराह्न सवा तीन बजे चांदबाग स्थित एक इमारत में आग लगने की सूचना मिली। उत्तरी–पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जॉय तिर्की ने बताया कि घटनास्थल के निरीक्षण के दौरान पता चला कि आग इमारत के बेसमेंट (तहखाने) में लगी थी। उन्होंने बताया कि दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में करीब तीन घंटे लगे, जिसके बाद बेसमेंट के बाथरूम में जला हुआ एक शव मिला। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव उसके परिजनों को सौंप दिया गया। डीसीपी ने बताया कि अपराध–रोधी दल द्वारा घटनास्थल का दौरा करने के बाद भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 285 (आग या ज्वलनशील पदार्थ के संबंध में लापरवाह आचरण) और 304–ए (लापरवाही के कारण मौत) के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि आगे जांच जारी है।

बेंगलुरु में पीएम मोदी का 10 किमी लंबा रोड शो, ढोल नगाड़ों के साथ पहुंचे लोग फूलों की हुई बारिश

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले रविवार सुबह बेंगलुरु में आठ किलोमीटर लंबा रोड शो शुरू किया। थिप्पसंद्र में केंपेगौड़ा की प्रतिमा से ट्रिनिटी सर्कल तक यह रोड शो निकाला जा रहा है। प्रधानमंत्री ने न्यू तिप्पासंद्रा रोड स्थित केम्पेगौड़ा प्रतिमा से सुबह 10 बजे रोड शो की शुरुआत की। सूत्रों के मुताबिक, रोड शो की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री ने केंपेगौड़ा (बेंगलुरु के संस्थापक) की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। यह रोड शो पांच विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरा।रोड शो के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए वाहन में प्रधानमंत्री के साथ केंद्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर और बेंगलुरु सेंट्रल के सांसद पी सी मोहन भी सवार हुए। पीएम मोदी की एक झलक पाने के लिए ढोल सहित वाद्य यंत्रों के साथ बड़ी संख्या में लोग जमा हुए। पूरे मार्ग पर व्यापक प्रबंध किए गए हैं, जिनमें रोड शो को बिना किसी व्यवधान के संपन्न कराए जाने के लिए सड़कों पर अवरोधक लगाए जाना शामिल है। सड़कों के किनारे हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे। पूरे मार्ग में भाजपा के झंडे लगाए गए हैं और पार्टी समर्थकों ने केसरिया रंग की शॉल व टोपी पहन रखी है, जिससे पूरा मार्ग केसरिया रंग से रंगा प्रतीत हो रहा है। भाजपा ने रविवार को होने जा रही राष्ट्रीय प्रात्रता सह प्रवेश परीक्षा को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को मोदी के दो दिवसीय रोड शो के कार्यक्रम में बदलाव किया था। बता दें कि प्रधानमंत्री ने शनिवार को बेंगलुरु में एक रोड शो किया था और बागलकोट जिले के बादामी और हावेरी में रैलियों को संबोधित किया था। हालांकि दक्षिण कर्नाटक में भाजपा का आधार कमजोर माना जाता है, लेकिन बेंगलुरु में उसकी जड़ें मजबूत हैं। आईटी सिटी में पिछले चुनाव में भाजपा ने 15 सीटों पर जीत हासिल की थी। पीएम मोदी की अभूतपूर्व पहुंच के साथ, भगवा पार्टी इस बार अकेले बेंगलुरु में कम से कम 20 सीटें जीतने की उम्मीद कर रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में यहां कांग्रेस ने 12 सीटें जीती थीं जबकि जद (एस) के खाते में एक सीट गई थी। ऑपरेशन लोटस के बाद भाजपा को राज्य में वोक्कालिगा चेहरे और नेतृत्व मिल गया है। पीएम मोदी ने पिछले साल नवंबर में बेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिसर में 108 फीट ऊंची नादप्रभु केम्पे गौड़ा की प्रतिमा का उद्घाटन किया था और राज्य की राजधानी में एक नई मेट्रो लाइन का भी उद्घाटन किया था। वरिष्ठ नेता अरविंद लिंबावली की जगह उनकी पत्नी को टिकट देने के अलावा भाजपा ने शहर में टिकट बंटवारे को लेकर कोई प्रयोग नहीं किया है। गोविंदराजा नगर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले आवास मंत्री वी. सोमन्ना को विपक्ष के नेता सिद्धारमैया को हराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह मैसूर जिले की वरुणा सीट और चामराजनगर जिले की चामराजनगर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। गोविंदराजनगर में पार्टी ने पूर्व पार्षद उमेश शेट्टी को अपना उम्मीदवार बनाया है। भाजपा जयनगर सीट को दोबारा हासिल करना चाहती है, जिसे वह विधायक बीएन विजयकुमार के निधन के बाद कांग्रेस से हार गई थी। कांग्रेस के शक्तिशाली नेता रामलिंगा रेड्डी की बेटी सौम्या रेड्डी ने भाजपा उम्मीदवार को हराया था। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार और दिवंगत विधायक विजयकुमार के भाई बी.एन. प्रह्लाद को 2,887 मतों से हराया था। इस निर्वाचन क्षेत्र में काफी मुस्लिम मतदाता हैं। भाजपा ने इस बार पार्टी के वफादार कार्यकर्ता सी. के. राममूर्ति को मैदान में उतारा है जबकि कांग्रेस की तरफ से सौम्या रेड्डी दूसरी बार चुनाव लड़ रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को 29.8 किलोमीटर का रोड शो किया। पूरे क्षेत्र में लोगों की प्रतिक्रिया ने भाजपा खेमे को हर्षित कर दिया है। उनमें जीत की उम्मीद जगी है। भाजपा के सूत्रों ने कहा कि पीएम मोदी के अभियान ने आईटी सिटी में पिछले साल बाढ़ की स्थिति के दौरान बुनियादी ढांचे की विफलता की कड़वी यादों को मिटाने में भाजपा की मदद की है।

पंचतत्व में विलीन हुए शहीद अरविंद चौधरी, राजकीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

डरोह । तहसील धीरा के अंतर्गत गांव चटियाला (सूरी) के शहीद जवान अरविंद चौधरी (32) का पार्थिव शरीर रविवार सुबह 8 बजे उनके गृहग्राम पहुंचा। जहां अंतिम दर्शन के लिए सैकड़ों की संख्या में इलाके के लोग, अधिकारी और सेना के जवान मौजूद रहे। इसके बाद गृहग्राम चटियाला के साथ लगते मुक्तिधाम के लिए पार्थिव शरीर को रवाना किया गया, जहां रास्तेभर लोगों ने भारत माता के इस सपूत के बलिदान की जय–जयकार की। सेना के जवानों द्वारा राजकीय सम्मान के साथ शहीद जवान को सलामी देकर अंतिम संस्कार किया । गौरतलब है कि शहीद अरविंद 9 पैरा रेजीमेंट में कुपवाड़ा में तैनात थे और आतंकवादियों के विरुद्ध एक बड़े सर्च आपरेशन के लिये राजौरी सेक्टर अपने सभी सुरक्षावल साथियों के साथ गये हुये थे, जहां बीते शुक्रवार को आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान शहीद हो गये थे। अरविंद के निधन की खबर से क्षेत्र मे शोक की लहर है। शहीद जवान अरविंद के बड़े भाई महिंदर कुमार मेहनत मजदूरी करते हैं उन्होने बताया कि हम तीन भाई बहन है अरविंद सबसे छोटा है और बहन की शादी हो चुकी है। देश भक्ति का जज्बा अरविंद मे बचपन से ही था, सेना मे भर्ती होने के लिये उसने खूब मेहनत की थी। देशभक्ति उसमें कूट–कूटकर भरी हुई थी इसलिए अरविंद ने सेना में जाने का फैसला किया था। घर की गरीबी को कभी बाधा नहीं बनने दिया और अपनी मेहनत और लगन से सेना में नौकरी पाई थी। जल्दी ही उसकी परमोशन होने वाली थी लेकिन उसके पहले उसकी शहादत की खबर आ गयी। भूपेन्द्र ने कहा कि मातृभूमि के लिए शहीद हो जाना एक सैनिक और उसके परिवार के लिए गर्व की बात है। शहीद हुए सेना के जवान अरविंद का पार्थिव देह जब उनके उनके गांव चटियाला(सूरी) पहुंचा तो अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। "जब तक सूरज चांद रहेगा अरविंद तेरा नाम रहेगा क्" के नारे तथा भारत मां के जयकारों से इलाका गूंज उठा। तिरंगे मे लिपटे शहीद जवान को देख लोगों की आंखें नम हो गई तथा परिजनों की चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया। जैसे ही शहीद अरविंद का पार्थिव शरीर उनके घर पहुंचा तो अब तक किसी तरह खुद को संभाल रहीं पत्नी बिन्दु देवी के सब्र का बांध टूट गया और जीवन साथी के बिछडने का गम आंशुओं के रूप में बह निकला। अरविंद की दोनों छोटी बेटियाँ सानमीता और शानविका जो इस घटना से अन जान थी माँ को रोते देख खुद को रोक नहीं पाई और फफक फफक रो पड़ीं। देव भूमि के लाल और अपने लाडले, बेटे, भाई को अंतिम बार देखने के लिए समूचे परिवार और रिश्तेदारों के साथ आसपास के गांवों से भी सैकड़ों लोग शहीद के गांव चटियाला में पहुंचे थे। हर किसी की आंखों में आसू और सीने में अरविंद की शहादत पर गर्व के भाव थे।

वोटर ठगा महसूस कर रहे, यह राष्ट्रपति शासन लागू करने का समय मणिपुर हिंसा पर थरूर ने साधा बीजेपी पर निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने रविवार को आरोप लगाया कि मणिपुर के मतदाता महज एक साल पहले भाजपा को सत्ता में लाकर अपने साथ 'घोर विश्वासघातश महसूस कर रहे हैं। उन्होंने हाल में हिंसक जातीय संघर्ष के गवाह बने इस राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग भी की। मणिपुर में पिछले सप्ताह आदिवासियों और बहुसंख्यक मेइती समुदाय के लोगों के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें कम से कम 54 लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। थरूर ने एक ट्वीट में कहा, ''मणिपुर में हिंसा जारी है। दक्षिणपंथी विचारधारा वाले सभी भारतीयों को निश्चित रूप से खुद से पूछना चाहिए कि उस बहुप्रचारित सुशासन का क्या हुआ, जिसका हमसे वादा किया गया था।पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''यह राष्ट्रपति शासन लागू करने का समय है। राज्य सरकार उस कार्य को करने में सक्षम नहीं है, जिसके लिए वह चुनी गई थी।बता दें कि मणिपुर में बहुसंख्यक मेइती समुदाय द्वारा उसे अनुसूचित जनजाति (ज) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में 'ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर (एटीएसयूएम) की ओर से बुधवार को आयोजित 'आदिवासी एकजुटता मार्चश के दौरान चुराचांदपुर जिले के तोरबंग क्षेत्र में हिंसा भड़क गई थी। नगा और कुकी सहित अन्य आदिवासी समुदायों की ओर से इस मार्च का आयोजन मणिपुर हाईकोर्ट द्वारा पिछले महीने राज्य सरकार को मेइती समुदाय की एसटी दर्जे की मांग पर चार सप्ताह के भीतर केंद्र को एक सिफारिश भेजने का निर्देश देने के बाद किया गया था। पुलिस के मुताबिक, तोरबंग में मार्च के दौरान हथियार थामे लोगों की भीड़ ने कथित तौर पर मेइती समुदाय के सदस्यों पर हमला किया। मेइती समुदाय के लोगों ने भी जवाबी हमले किए, जिससे पूरे राज्य में हिंसा फैल गई। मणिपुर की कुल आबादी में मेइती समुदाय की 53 फीसदी हिस्सेदारी होने का अनुमान है। इस समुदाय के लोग मुख्यतः इंफाल घाटी में रहते हैं। वहीं, नगा और कुकी सहित अन्य आदिवासी समुदायों की आबादी 40 प्रतिशत के करीब है तथा वे मुख्यतः इंफाल घाटी के आसपास स्थित पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

सम्पादकीय

पाकिस्तान को 'खरी-खरी

गोवा में गत दो दिनों तक चले शंघाई सहयोग संगठन देशों के विदेश मन्त्रियों के सम्मेलन में आये पाकिस्तान के विदेश मन्त्री बिलावल भुट्टो जरदारी दोनों देशों के आपसी सम्बन्धों के बारे में जो विमर्श खड़ा करना चाहते थे उसे भारत के विदेश मन्त्री एस. जयशंकर ने पूरी तरह नकारते हुए साफ कर दिया है कि भारत के खिलाफ आतंकवाद का जहर फैलाने वाले उसके साथ दोस्ती करने का भ्रम नहीं फैला सकते। कूटनीति में बहुत ही स्पष्ट और तल्ख भाषा का इस्तेमाल तभी किया जाता है जब सामने वाला पूरी बेहयाई के साथ जुल्म करने पर भी खुद को बेगुनाह साबित करने का नाटक करता रहे। अतः श्री जयशंकर ने साफ कर दिया कि पाकिस्तानी विदेश मन्त्री आतंकवादी उद्योग के प्रवक्ता बन कर भारत को उपदेश देने के प्रयास कर रहे हैं। इससे बड़ा सबूत और क्या हो सकता है कि जब गोवा में शंघाई संगठन की बैठक हो रही थी तो पाकिस्तानी आतंकवादी घुसपैठियों का मुकाबला करते हुए भारत के पांच सैनिक कश्मीर के इलाके में ही शहीद हो गये। सवाल यह है कि पाकिस्तान जिस आतंकवाद की फैक्टरी बना हुआ है उसने उसे न घर का छोड़ा है और न घाट का। इसके बावजूद बिलावल भुट्टो के तेवर हैं कि भारत पाकिस्तान के साथ बैठ कर बातचीत करे। बिलावल भुट्टो को पता होना चाहिए कि नवम्बर 2008 में मुम्बई में जब समुद्र के रास्ते से आये पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हमला किया था तो इस्लामाबाद में उन्हीं के पिता आसिफ अली जरदारी राष्ट्रपति की कुर्सी पर विराजमान थे।

इसके बाद से आज तक पाकिस्तान की तरफ से ऐसा कोई मुलाहिजा पेश नहीं किया गया जिसे देख कर कहा जा सके कि आतंकवाद को अपनी विदेश नीति का हिस्सा बनाने वाले इस मुल्क की चाल में कोई फर्क आया है हालांकि वर्तमान पाकिस्तानी प्रधानमन्त्री शहबाज शरीफ ने पिछले साल यह जरूर कहा था कि भारत से चार–चार जंगें लड़ने के बावजूद उनके मुल्क को सिवाय मुफलिसी और नाकामी के अलावा और कुछ हासिल नहीं हुआ। मगर इसके बाद तो पाकिस्तान में आतंकवादी संगठनों के हौंसले और बुलन्द हो गये और उन्होंने कश्मीर के मुद्दे तक पर जेहादी तकरीरें देना जारी रखा लेकिन पाकिस्तान के विदेश मन्त्री की जुर्रत तो देखिये कि वह भारत में आकर ही जम्मू–कश्मीर में 5 अगस्त 2019 को समाप्त की गई विशेष धारा 370 के मसले को उठा रहा है और कह रहा है कि कश्मीर की स्थिति इससे पहले की बनाई जानी चाहिए। पाकिस्तान किस मुंह से कश्मीर का मुद्दा उठा सकता है जबकि इस पूरी रियासत का भारतीय संघ में 26 अक्टूबर 1947 को विलय हो गया था। धारा 370 लगाना उस वक्त भी भारत का अंदरूनी मामला था और आज भी उसे हटाना भारत का अन्दरूनी मामला है। अतः श्री जयशंकर का यह करारा जवाब पूरी तरह कूटनीतिक मर्यादा के दायरे में आता है कि धारा 370 अब इतिहास बन चुकी है।

इसके उलट उन्होंने पूछा कि पाकिस्तान अपने कब्जे वाले कश्मीर को कब खाली कर रहा है? हकीकत भी यही है कि पाकिस्तान से कश्मीर के मुतल्लिक अगर कोई बात हो सकती है तो वह केवल यही हो सकती है कि वह अपने कब्जे के कश्मीर को कब खाली करेगा क्योंकि यह इलाका उस पूरी जम्मू–कश्मीर रियासत का हिस्सा है जिसका विलय 26 अक्टूबर1947 को भारतीय संघ में कर दिया गया था। बिलावल भुट्टो शंघाई संगठन के सदस्य देश होने की वजह से भारत में आमंत्रित किये गये थे क्योंकि भारत इस संगठन के सम्मेलन का मेजबान देश है। मगर इसका मतलब यह नहीं था कि भारत द्विपक्षीय आधार पर उनके साथ कोई बातचीत करना चाहता था। भारत ने बहुत पहले से ही साफ कर रखा है कि नई दिल्ली व इस्लामाबाद के बीच तब तक कोई सीधा राब्ता नहीं बन सकता जब तक कि पाकिस्तान आतंकवाद से तौबा न कर ले और दहशतगर्दों के लिए अपनी मुल्क की जमीन को जहन्नुम में तब्दील न कर दे। इस हकीकत को अकेला भारत ही नहीं कह रहा है बल्कि अब तो पूरी दुनिया कहने लगी है। क्या यह बेवजह है कि आज पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था चारों खाने चित्त पड़ी हुई है और इस मुल्क की आबादी के 40 प्रतिशत से अधिक लोग गरीबी की सीमा रेखा के नीचे आ चुके हैं। अगर इसके हुक्मरानों को खुदा ने तौफीक बख्शी होती तो वे 1972 के बाद से ही अपनी राहें बदल देते और भारत के प्रति रंजिश और दुश्मनी की जहनियत को बदल देते क्योंकि इससे एक साल पहले ही पाकिस्तान के दो टुकड़े हो गये थे और नया बांग्लादेश बन गया था। बिलावल भुट्टो के नाना मरहूम जुल्फिकार अली भुट्टो ही 1972 में शिमला में आकर उस वक्त की भारत की प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी के सामने नाक रगड़ कर अहद करके गये थे कि 'या खुदा मेरी तौबा, अब कभी हिन्दोस्तान के खिलाफ टेढ़ी नजरें करके नहीं देखूंगा'। मगर इसके बाद के आये पाकिस्तानी हुक्मरानों ने क्या किया? सवाल यह नहीं है कि पाकिस्तान में इसके बाद हुक्मरान बदले बल्कि सवाल यह है कि भारत के साथ 1972 में किया गया शिमला समझौता नहीं बदला। यह समझौता भुट्टो और इंदिरा गांधी के बीच नहीं था बल्कि भारत–पाकिस्तान के बीच था। इसीलिए श्री जयशंकर का यह कहना पूरी तरह बजा है कि पाकिस्तान की साख आज की दुनिया में उसके घटते विदेशी मुद्रा कोष से भी नीचे पहुंच चुकी है।

शिक्षा जगत का भविष्य डिजिटल शिक्षा पद्धति,आने वाली पीढ़ी 100% डिजिटल होगी

भारत में विभिन्न विभागो में डिजिटलाइजेशन शुभ संकेत की तरह दिखाई दे रहे हैं। विशेष तौर पर शिक्षा जगत तथा बालक बालिकाओं के की डिजिटलाइजेशन एक वरदान की तरह होगा। कंप्यूटर तथा इंटरनेट के युग में आने वाले बच्चों की पीढ़ी को इसमें पारंगत होना अत्यंत आवश्यक है । वैश्विक स्तर पर भी बच्चों को प्रतिस्पध र्ा हेतु इस विधा में विशेषज्ञता प्राप्त करनी होगी, तब जाकर हम रोजगार मूलक हो पाएंगे। वर्तमान में पिछले दो वर्षों से सबसे ज्यादा कोविड–19 के संक्रमण ने जीवन मृत्यु के बाद जिस क्षेत्र का सबसे ज्यादा नुकसान किया है वो शिक्षा जगत के क्षेत्र का ही हैस दो वर्षों से स्कूल कॉलेज लगातार बंद चले आ रहे हैं। मूल शिक्षा खासकर बच्चों के लिए समय बेकार ना जाए इसीलिए ऑनलाइन शिक्षा का प्रावधान देश में किया गया हैस ऑनलाइन शिक्षा कंप्यूटर आधारित नेटवर्क से संलग्न होती हैस इसके अंतर्गत विद्यार्थी तथा शिक्षक वीडियो के माध्यम से एक दूसरे से जुड़े होते हैं तथा लगातार लाभान्वित भी होते हैंस इसमें शिक्षक आभासी तौर पर उपस्थित होते हैं एवं आभासी स्तर पर ही शिक्षा प्रदान की जाती हैस आज ऑनलाइन शिक्षा लाइव वीडियो क्लासेस, रिकॉर्डिंग वीडियो क्लासेस, लाइव ऑनलाइन शिक्षा, ऑनलाइन टेस्ट और घर पर पी,डी,एफ आधारित ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की जा रही हैस ऑनलाइन शिक्षा में अनेक लाभ के साथ हानियों का भी समावेश है। ऑनलाइन शिक्षा के माध यम से कक्षाओं का शिक्षण अधिक रोचक कथा संवादात्मक बनाया जा रहा है, जिससे बच्चे इस पर अधिक से अधि क ध्यान दे रहे हैं। इसके अलावा ऑनलाइन शिक्षक कोई भी कहीं भी कभी भी प्राप्त कर सकते हैं उदाहरण के लिए यात्रा के दौरान या किसी कारणवश अवकाश लेने पर छूटे हुए विषयों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन क्लासेज के प्रोत्साहन से विद्यार्थी नए–नए ज्ञान की प्राप्ति कर सकते हैं, साथ ही शिक्षकों पर सक्षम, अद्यतन न होने और शिक्षकों की कमी के जो आरोप लगते हैं उसे भी दूर किया जा सकता है। वैसे भी भारत जैसे विशाल देश में पर्याप्त स्कूल कॉलेज नहीं है ।ऑनलाइन शिक्षा के विकल्प से स्कूल कॉलेज कम होने का दबाव धीरे–धीरे कम होने लगेगा और स्कूल कॉलेज के दाखिले में अनिवार्यता भी धीरे–ध ीरे कम होने लगेगी। ऑनलाइन शिक्षा पर्यावरण की दृष्टि से लाभकारी है, करोना संक्रमण की दृष्टि से लाभकारी है, और आर्थिक रूप से भी आवागमन के खर्चे से बचत के रूप में देखा जा रहा है। ऑनलाइन विद्यार्थी स्वयं शिक्षा के स्तर को समझेंगे और यह भी समझेंगे कि उन्हें क्या पसंद है और किस क्षेत्र में उन्हें आगे जाकर शोध करना है या बड़ी डिग्री हासिल करना है। इससे ज्ञान की विविधता भी प्राप्त होती है। समय की बचत के साथ इसमें आर्थिक लाभ भी होता है। तीव्रता और गहनता की दृष्टि से ऑनलाइन शिक्षा काफी महत्वपूर्ण तथा प्रभाव कारी है। ऑनलाइन शिक्षा पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक सूचनाएं एवं डाटा संग्रहण तीव्रता से होता है तथा सृजनशीलता की विविधता की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऑनलाइन शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय विद्यालय और शिक्षकों की उपलब्धता भी छात्रों की मदद के लिए सदैव रहती है। दूसरी तरफ ऑनलाइन शिक्षा से कई समस्याएं भी जुड़ी होती हैं। ऑनलाइन शिक्षा नेटवर्क कंप्यूटर पर आधारित होती है इसके लिए कई उपकरणों की जरूरत होती है जो काफी आर्थिक रूप से महंगे होते हैं ।भारत जैसे देश में ऑनलाइन शिक्षा सबके लिए संभव नहीं है। विशाल जनसंख्या वाले देश में हर जगह कंप्यूटर नेटवर्क और मोबाइल की उपलब्धता इतनी आसान नहीं है, जितनी की योजना बनाते समय कल्पना की गई थी। बच्चों की रचनात्मक क्षमता का भी इसमें नुकसान होता है क्योंकि पाठ्यक्रम से संबंधित सारी जानकारियां किताबों में ना खोजकर इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त कर लेते हैं। उनमें जिज्ञासा का अभाव पैदा होने लगता है एवं रचनात्मकता भी खत्म होती है। ऑनलाइन शिक्षा में छोटे बच्चों को शारीरिक व्यायाम एवं शारीरिक कसरत का अभाव पैदा होने लगता है, छोटे बच्चों को खेलकूद वाली शिक्षा उनकी शारीरिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर दी जाती है पर ऑनलाइन शिक्षा में ऐसा संभव नहीं है। स्कूल कॉलेजों में नियमित शिक्षा कक्षाओं में बैठकर शिक्षकों के दबाव में अनुशासन में दी जाती है, जिससे एक साम्यता छात्रों में बनी रहती है पर ऑनलाइन शिक्षा में छात्र किसी भी नियम से न बंद कर खुलकर इंटरनेट का दुरुपयोग भी कर सकते हैं। भारतीय तथा विदेशी मनोवैज्ञानिकों के अनुसार ऑनलाइन शिक्षा अत्यंत तनावपूर्ण होती है। एक रिसर्च के अनुसार 15 मिनट के ऑनलाइन अध्ययन के बाद छात्रों की नोट्स लेने में रुचि खत्म हो जाती है एवं व मनोरंजन साइड की तरफ झुकने लगते हैं। ऑनलाइन शिक्षा से बच्चों के शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है सबसे ज्यादा आंखों पर असर पड़ने लगता है बहुत जल्दी ही बच्चों को आंखों में चश्मे और लेंस लगने लगते हैं। पर परिवर्तन संसार का एक मूलभूत नियम है जो राष्ट्र समाज व व्यक्ति अपने को समय के साथ बदल लेगा वह निश्चित रूप से विकास के पथ पर आगे जाएगा। वर्तमान युग डिजिटल युग है कोविड–19 के संक्रमण ने पूरे विश्व को अपनी सोच में परिवर्तन आने के लिए मजबूर कर दिया और यही कारण है कि वैश्विक स्तर पर हर राष्ट्र ऑनलाइन शिक्षा के लिए जोर शोर से शिक्षा जगत में तैयारियां कर रहा है। यद्यपि इस क्षेत्र में विकसित राष्ट्रों ने ऑनलाइन की शिक्षा की पहल बहुत पहले से करनी शुरू कर दी थी।ऑनलाइन शिक्षा के संदर्भ में यही कहा जा सकता है कि कुछ चुनौतियां विद्यमान है जिसे हमें दूर दूर कर इसे अत्यंत सुलभ बनाना होगा।आज की परिस्थितियों में ऑनलाइन शिक्षा के लाभ अत्यंत अधिक हैं। डिजिटल युग में कोरोना संक्रमण की भयावहता से ऑनलाइन शिक्षा के महत्व में काफी वशद्धि हुई है। ऑनलाइन शिक्षा का भविष्य काफी उज्जवल है, यह शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला सकता है। हमें ऑनलाइन शिक्षा के लिए कड़ी मेहनत एवं निगरानी करनी होगी ताकि छात्रों तथा शिक्षा के जगत से जुड़े जुड़े लोगों को तकनीकी ज्ञान का पूरा लाभ प्राप्त हो सके एवं उनके मानसिक, शारीरिक एवं चरित्र का निरंतर विकास होता रहे।**–संजीव ठाकुर**

द केरल स्टोरी आधी हकीकत आधा फसाना

फ्रांस के 1957 के नोबल पुरस्कार विजेता लेखक, नाटक और पत्रकार अलबर्ट केमस ने फिक्शन की यही परिभाषा दी थी यानि कल्पना वह झूठ है जिसके माध्यम से हम सच दिखाते हैं। यह परिभाषा उन्होंने कहानियों और उपन्यासों को लेकर की थी। हमेशा यही कहा जाता है कि साहित्य समाज का दर्पण होता है। अगर हम मुंशी प्रेमचंद की कहानियां पढ़ें तो उनमें भी हमें समाज का सच नजर आता है। जो कुछ समाज में घटित होता है वही साहित्य में दिखाई देता है। जहां तक फिल्मों का संबंध है उनमें भी समाज की घटनाओं का प्रभाव स्पष्ट नजर आता है। कहानियां हों, उपन्यास हों या फिल्में होती तो वह कहानियां ही हैं। बॉलीवुड और फिल्मों में विवादों का गहरा संबंध है। बॉलीवुड में विवाद सिर्फ किसी अभिनेता या अभिनेत्री को लेकर नहीं होते बल्कि फिल्मों के टाइटल, कहानी और दृश्यों को लेकर विवाद उत्पन्न होते रहते हैं। हालांकि यह विवाद फिल्मों के लिए फायदे का सौदा ही साबित होते हैं क्योंकि विवाद पैदा होने के बाद दर्शकों की जिज्ञासा फिल्म के प्रति बढ़ जाती है। विडम्बना इस बात की है कि फिल्मों को अब ध ार्मिक दृष्टिकोण और चुनावी नफे–नुक्सान के तराजू में रखकर तोला जा रहा है। हाल ही में 'द केरला स्टोरी' फिल्म को लेकर जमकर बवाल हुआ। फिल्म का प्रदर्शन रुकवाने के लिए मामला अदालतों तक जा पहुंचा लेकिन देश की शीर्ष अदालत ने भी फिल्म पर प्रतिबंध लगाने से इन्कार कर दिया और इस शुक्रवार फिल्म देशभर में प्रदर्शित भी हो गई। इससे पहले भी शाहरुख खान की फिल्म पठान, निर्देशक विवेक अग्निहोत्री की द कश्मीर फाइल्स, आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा और अन्य कई फिल्मों पर विवाद होते रहे हैं। द केरला स्टोरी केरल से गायब हुई और इस्लाम धर्म अपनाने वाली लड़कियों पर आधारित फिल्म है। केरल से 32 हजार लड़कियों के गायब होने का दावा करने वाली इस फिल्म ने सियासत को दो दलों में बांट दिया है। केरल में सत्तारूढ़ वामपंथी और विपक्षी दल कांग्रेस ने इस फिल्म का जमकर विरोध किया और इस फिल्म को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज में जहर फैलाने का षड्यंत्र बताया। केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने तो फिल्म का मकसद राज्य के खिलाफ प्रचार करना और साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करार दिया। जबकि दक्षिणपंथी संगठनों ने इस फिल्म का पूरा समर्थन किया। अब तो कर्नाटक के चुनावों में भी इस फिल्म की एंट्री हो गई है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी आतंकवादी साजिशों पर बनी इस फिल्म का उल्लेख कर वामपंथियों और कांग्रेस पर जमकर निशाना साध ा है। वामपंथियों ने इस फिल्म को संघ परिवार का एजेंडा तक करार दे दिया है। जबकि दक्षिणपंथी संगठनों का कहना है कि यह फिल्म केरल में तेजी से हो रहे इस्लामीकरण और किस तरह से मासूम लड़कियों को इस्लामिक स्टेट (आईएस) में भर्ती करने के लिए फंसाया जा रहा है, उसे दर्शाती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि कुछ वर्ष पहले लगभग दो दर्जन के करीब केरल के कुछ युवक जिनमें कुछ हिन्दू युवतियां भी शामिल थी, आईएस में भर्ती होने के लिए अपने मिशन पर भेजी गई। इन लड़कियों का धर्मांतरण किया गया और उन्हें चरमपंथी बनाया गया तब 'लव जेहाद' का मुद्दा काफी उछला था। तब लव जेहाद की जांच करने का काम एनआईए और अन्य जांच एजेंसियों को सौंपा गया था। जांच में भी लव जेहाद जैसा कुछ नहीं पाया गया था। हर समाज में अपवाद स्वरूप कई तरह की घटनाएं सामने आती हैं लेकिन इतना तय है कि केरल में हिन्दू लड़कियों का ब्रेन वॉश कर उन्हें जेहादी बनाने की घटनाओं के पीछे सच्चाई जरूर है। भले ही ऐसी लड़कियों का आंकड़ा 10–20 से ज्यादा न हो लेकिन ऐसा समाज में घटित जरूर हुआ इसलिए फिल्म में दिखाया गया 32 हजार लड़कियों के गायब होने का दावा अतिरिक्त ही है। क्योंकि फिल्म एक फिक्शन (परिकल्पना) है। इसलिए 32 हजार के आंकड़े का कोई अर्थ नहीं रह जाता। सिनेमा को लेकर राजनीति होना नई बात नहीं है। फिल्में कई बार समाज की हकीकत दिखाती रही हैं। हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक यह पैटर्न देखा गया है। बीते कई दशकों से दुनियाभर में ऐसी फिल्में बनती रही हैं जो ज्वलंत मुद्दों को उठाती हैं और कभी–कभी स्टैंड लेती भी नजर आती हैं।

हकीकत यह भी है कि फिल्म मेकर्स पर राजनीति की मजबूत पकड़ रही है। क्या इसका मतलब यह है कि सभी फिल्में राजनीतिक दृष्टिकोण से प्रोमेगेंडा के तहत बनती हैं? नहीं। हम इतिहास में पीछे मुड़कर देखें तो ऐसा पाते हैं कि सामाजिक–राजनीतिक कंटेंट को लेकर कई असरदार फिल्में बनी हैं। ऐसे में किसी राजनीतिक फिल्म के सही या गलत का फैसला दर्शकों पर छोड़ देना ही बेहतर माना जाता है। दर्शक फिल्म देखने और बहस करने के बाद उस पर अपनी राय बना सकते हैं। द केरला स्टोरी को दर्शकों ने कितना पसंद किया कितना नहीं, यह फैसला उन पर ही निर्भर करता है।**–आदित्य नारायण**

आज का राशिफल

मेष :– प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। घर में खुशहाली रहेगी।

वृष :– किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ होगा।

मिथुन :– नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क :– काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

कन्या :– कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में न जियें।

वृश्चिक :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनों के अनुकूल चलने की चेष्ठा करें। आलस्य त्यागें।

धनु :– संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर :– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन व्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

कुंभ :– अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

मीन :– थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी–बुरी सभी स्थिति में समझौतावादी बनें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

मणिपुर हिंसा में जनजाति तथा मैतेई समुदाय की भूमिका

मणिपुर में पहला हिंसक विरोध प्रदर्शन 10 मार्च को हुआ था। जब कुकी गाँव से अवैध प्रवासियों को निकाला गया था। इसक बाद तीन मई रात अचानक भड़की हिंसा ने देखते–देखते जैसा भीषण रूप अख्तियार कर लिया, उससे एक बार फिर यह बात स्पष्ट हुई कि पूर्वोत्तर का इलाका कितना संवेदनशील है और इससे निपटने में कितनी सावधानी की जरूरत है। हिंसा में कम से कम 60 लोगों की मौत के साथ हजारों की संख्या में बेघर हो चुके है। हिंसा की ताजा घटनाओं को मणिपुर हाईकोर्ट के उस हालिया फैसले के बाद बने हालात से जोड़ा जा रहा है, जिसमें राज्य सरकार को बहुसंख्यक मैतेई समुदाय के लिए एसटी दर्जे की सिफारिश केंद्र के पास भेजने का निर्देश दिया गया था। इसी निर्देश के खिलाफ ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने आदिवासी एकजुटता मार्च का आयोजन किया था, जिस दौरान हिंसा भड़क उठी। इस हिंसा के पीछे एक दो नही बल्कि कई कारण है। इसमें मुख्यमंत्री को सत्ता से बेदखल करने तक की साजिश सामने आ रही है। हालांकि, चाहे हाईकोर्ट का निर्देश हो या आदिवासी छात्रों का मोर्चा, इनकी तात्कालिक भूमिका भले हिंसा भड़कने में रही हो, प्रदेश में जातीय तनाव के हालात लंबे समय से बने रहे हैं। गैर–आदिवासी मैतेई समुदाय हालांकि राज्य की कुल आबादी का करीब 65 फीसदी है, लेकिन यह इंफाल के आसपास घाटी में ही केंद्रित है। क्षेत्रफल के लिहाज से इस समुदाय के पास राज्य का बमुश्किल 10 फीसदी भूभाग ही है। बाकी 90 फीसदी इलाकों में 35 फीसदी आदिवासी समुदायों के लोग फैले हुए हैं। ऐसे में जहां मैतेई समुदाय अपने लिए एसटी दर्जा जरूरी मानता है, वहीं आदिवासी समुदायों को लगता है कि उसे यह दर्जा मिल गया तो उनके अधिकार प्रभावित होंगे। तनाव बढ़ाने वाला एक अन्य नया कारक हैं म्यांमार से आने वाले शरणार्थी। फरवरी 2021 में वहां हुए सैन्य तख्तापलट के बाद इन शरणार्थियों की संख्या में खासी बढ़ोतरी हुई है। खास बात यह कि ये शरणार्थी ज्यादातर म्यांमार के चिन प्रांत के होते हैं जिनकी मणिपुर के कुकी आदिवासियों से रिश्तेदारी होती है। इससे प्रदेश का जातीय संतुलन बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में प्रदेश में शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के क्रम में दो बातों का खास तौर पर ध्यान रखने की जरूरत है। एक तो यह कि पड़ोसी देश म्यांमार में बनते हालात का मणिपुर जैसे राज्यों की स्थितियों पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसलिए सरकार को म्यांमार के सैन्य शासन से बातचीत कर उसे गृहयुद्ध रोकने और अपनी शरणार्थी प्रबंधन व्यवस्था कायम करने के लिए

मनाने के प्रयासों पर विशेष ध्यान देना होगा। हिंसा इतनी व्यापक की दंगाइयों को देखते ही गोली मारने और पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवा स्थगित करने जैसे कदम तात्कालिक तौर पर अनिवार्य भले लगें, नॉर्थ ईस्ट की संवेदनशीलता को देखते हुए वहां ऐसी सख्ती दीर्घकालिक नजरिए से नुकसानदायक हो सकती है। उस क्षेत्र की आर्थिक संभावनाओं का फायदा लिए जाने के लिए जरूरी है कि वहां सामान्य स्थिति बहाल रखी जाए। जातीय तनाव से उपजी समस्याओं का स्थायी हल भी आर्थिक विकास की तेज रफ्तार में ही छुपा है। सरकार को इसी पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। इस बात की चर्चा भी है कि जनजाति समूह अपने हितों को साधने के लिए मुख्यमंत्री नोंगथोंबन बीरेन सिंह को सत्ता से हटाना चाहते हैं क्योंकि उन्होंने ड्रग्स के खिलाफ जंग छेड़ रखी है। प्रदेश में बीरेन सिंह की सरकार अफीम की खेती को नष्ट कर रही है और कहा जा रहा है कि इसकी मार म्यांमार के अवैध प्रवासियों पर भी पड़ रही है। जिन्हें म्यांमार से जुड़ा अवैध प्रवासी बताया जा रहा है, वे मणिपुर के कुकी–जोमी जनजाति से ताल्लुक रखते हैं। कहा जा रहा है कि सरकार इन्हें सरकारी जमीन पर अफीम की खेती करने से रोक रही है। यहॉ हिंसा से पूर्व के बारे में चर्चा करे तो मैतेई ट्राइब यूनियन की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए मणिपुर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को 19 अप्रैल को 10 साल पुरानी केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय की सिफारिश प्रस्तुत करने के लिए कहा था। इस सिफारिश में मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा देने के लिए कहा गया है। कोर्ट ने मई 2013 में जनजाति मंत्रालय के एक पत्र का हवाला दिया था। इस पत्र में मणिपुर की सरकार से सामाजिक और आर्थिक सर्वे के साथ जातीय रिपोर्ट के लिए कहा गया था। शिड्यूल ट्राइब डिमांड कमिटी ऑफ मणिपुर यानी एसटीडीसीएम 2012 से ही मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा देने की मांग कर रहा था। याचिकाकर्ताओं ने हाई कोर्ट में बताया कि 1949 में मणिपुर का भारत में विलय हुआ, उससे पहले मैतेई को यहाँ जनजाति का दर्जा मिला हुआ था। इनकी दलील थी कि मैतेई को जनजाति का दर्जा इस समुदाय, उसके पूर्वजों की जमीन, परंपरा, संस्कृति और भाषा की रक्षा के लिए जरूरी है। एसटीडीसीएम ने यह भी कहा था कि मैतेई को बाहरियों के अतिक्रमण से बचाने के लिए संवैधानिक कवच की जरूरत है। इनका कहना है कि मैतेई को पहाड़ों से अलग किया जा रहा है जबकि जिन्हें जनजाति का दर्जा मिला हुआ है, वे सिकुड़ते इंफाल वैली में जमीन खरीद सकते हैं। मणिपुर में जिन 33 समुदायों को जनजाति का दर्जा मिला है, वे नगा और कुकी जनजाति के रूप में जाने जाते हैं। ये दोनों जनजातियां मुख्य रूप से ईसाई हैं। मणिपुर के मौजूदा जनजाति समूहों का कहना है कि मैतेई का जनसांख्यिकी और सियासी दबदबा है. इसके अलावा ये पढ़ने–लिखने के साथ अन्य मामलों में भी आगे हैं। यहाँ के जनजाति समूहों को लगता है कि अगर मैतेई को भी जनजाति का दर्जा मिल गया तो उनके लिए नौकरियों के अवसर कम हो जाएंगे और वे पहाड़ों पर भी जमीन खरीदना शुरू कर देंगे। ऐसे में वे और हाशिए पर चले जाएंगे। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ मणिपुर का कहना है कि मैतेई समुदाय की भाषा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल है और इनमें से कइयों को अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति और इकोनॉमिकली वीकर सेक्शन यानी ईडब्ल्यूएस का फायदा मिल रहा है। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के लेक्चरर थोंगखोलाल हाओकिप ने द पॉलिटिक्स ऑफ शिड्यूल ट्राइब स्टेटस इन मणिपुर में लिखा है। प्रदेश में मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा देने की मांग एक सियासी खेल है। जहॉ तक मणिपुर की भौगोलिक संरचना में ही कई तरह की समस्याएं निहित हैं। मणिपुर एक फुटबॉल स्टेडियम की तरह है. इसमें इंफाल वैली बिल्कुल सेंटर में प्लेफील्ड है और बाकी चारों तरफ के पहाड़ी इलाके गैलरी की तरह हैं। चार हाइवे हैं, जिनमें दो प्रदेश की लाइफलाइन हैं। ये दो हाइवे मणिपुर को बाकी दुनिया से जोड़ते हैं। मणिपुर के 10 प्रतिशत भूभाग पर गैर–जनजाति मैतेई समुदाय का दबदबा है। मणिपुर की कुल आबादी में मैतेई समुदाय की हिस्सेदारी 64 फीसदी से भी ज्यादा है। मणिपुर के कुल 60 विध ायकों में 40 विधायक इसी समुदाय से हैं। 90 प्रतिशत पहाड़ी भौगोलिक क्षेत्र में प्रदेश की 35 फीसदी मान्यता प्राप्त जनजातियां रहती हैं। लेकिन इन जनजातियों से केवल 20 विध ायक ही विधानसभा पहुँचते हैं। कुल मिलाकर मणिपुर हिंसा जनजातियों एवं मैतई समाज की आपसी कलह है जिसमें कुछ अलगाववादी तत्व अपनी रोटी सेक कर प्रदेश को हिंसा की आग में छोक रहे है। ऐसे में केन्द्र सरकार को एक दूरगामी रणनीति के तहत मणिपुर मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए।**–प्रेम शर्मा**

केजीएमयू में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने रेजीडेंट डॉक्टरों को किया अपडेट

■ मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए डॉक्टरों को किया एलर्ट

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। केजीएमयू के मेडिसिन विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला यूपी चौप्टर और लखनऊ चौप्टर के तत्वावधान में मेडिसिन विभाग प्रो. वीरेंद्र आतम की अध्यक्षता में डॉ मेधावी गौतम की उपस्थिति में पीजी मेडिसिन अपडेट का आयोजन किया गया। जिसमें यूपी मेडिकल कांउसिल के लगभग तीन सौ प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। पहले दिन वार्ड राउंड और ओपीडीएस के दौरान रेजिडेंट डॉक्टरों द्वारा सामना किए जाने वाले नियमित नैदानिक परिदृश्यों की जानकारी साझा की गई। वहीं डॉ. एसके द्विवेदी ने आपातकाल में पेश होने वाले ईसीजी के वैल्यूएशन पैटर्न की व्याख्या करने और उन्हें जल्दी पहचानने और उनका इलाज करने के बारे में अवगत कराया। इसी क्रम में एसजीपीजीआई के डॉ. नारायण प्रसाद ने किडनी रोग के विभिन्न स्पेक्ट्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जहां मूत्र से प्रोटीन और रक्त निकलता है और पेशाब में खून आना एक आपात स्थिति हो सकती है। प्रोफेसर अमित गोयल ने वायरल हेपेटाइटिस बी और सी के हालिया अपडेट पर विस्तृत रूप में बताया कि रोगी को उपचार के लिए कब विचार

करना चाहिए और लीवर की विफलता का निदान सरल उपायों से किया जा सकता है। डॉ. एके त्रिपाठी ने कहा कि एशिया के लोगों में प्लेटलेट्स कम हो सकते हैं,कम प्लेटलेट्स काउंट का इलाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्लेटलेट्स काउंट 50 हजार से कम होने से हमें सतर्क होना होगा। केसीएच विभाग के डॉ. राजीव गर्ग ने कहा कि आईएलडी विशेष रूप से पोस्ट कोविड क्षेत्र में एक बढ़ती हुई इकाई है। डॉ. अस्मीन अहमद ने हमें उन गलतियों के बारे में बताया जो एक आईसीयू रोगी की रक्त रिपोर्ट की जांच करते समय एक व्यक्ति कर सकता है और उनसे कैसे बचा जा सकता है। डॉ. हरदीप मल्होत्रा,डॉ. अखिल शर्मा, डॉ. अभिषेक, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. आनंद, डॉ. सर्वेश कुमार ने न्यूरोलॉजिकल रोग के साथ हृदय रोग के रोगी के बारे में चर्चा की और जूनियर डॉक्टरों द्वारा सामना किए जाने वाले कठिन मामलों का प्रबंधन करने के बारे में अपनी विशेषज्ञ राय दी। इस सम्मेलन में पूरे यूपी मेडिकल काउंसिल के लगभग तीन सौ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. ज्योतिर्मय पाल शामिल रहे उन्होंने इस तरह के कार्यक्रम के नियमित क रने पर जोर दिया। उन्होंने इस तरह के इंटरैक्टिव और शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मेडिसिन विभाग के प्रयासों की भी सराहना की।

हैदरगढ़ डिपो की बस अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई

सोहावल–अयोध्या। रौनाही थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी सत्तीचौरा क्षेत्र में हाइवे पर बरई खुर्द और बरेसर गांव के बीच गोरखपुर से लखनऊ की ओर जा रही हैदरगढ़ डिपो की बस संख्या यूपी 33टी 8641ओवर टेक करते हुए अनियंत्रित हो गयी स पेड़ में इतने जोर से टकराई कि बस आगे से पीछे तक चीरते हुए दो खण्ड में बंट गयी स जिससे अमेठी निवासी कंडक्टर सहदेव सिंह पुत्र संत बख्श सिंह,बस्ती निवासी माधुरी वर्मा पुत्री विद्याराम,रामनगर उत्तराखंड निवासी10 वर्षीय रोशन समर पुत्र वसीउल्ला 5 वर्षीय मोहम्मद यासीन पुत्र वकार अहमद को गंभीर तथा तीन को मामूली चोटें आईं।

दुर्घटनाग्रस्त बस सवारों की चीख पुकार सुन राहगीरों ने घटना की सूचना चौकी प्रभारी रविश कुमार को दी। मामला बस की दुर्घटना से संबधित होने के कारण दलबल के साथ पहुंचे चौकी प्रभारी ने मौके पर पहुंचकर घायलों को इलाज के लिए सीएचसी रुदौली भेजवाया। महिला की हालत गंभीर होने के कारण जिला अस्पताल रेफर किया गया । इस सम्बन्ध में थाना प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि घायल किशोर के परिजन मवई क्षेत्र तथा महिला सवार गोरखपुर से लखनऊ जा रही थी।

लूट की ताबड़तोड़ वारदातें करने वाले दो शातिर लुटेरे नौबस्ता पुलिस ने दबोचे

एक माह के भीतर कर चुके आधा दर्जन से अधिक वारदातें खुली

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कानपुर। एक माह के अंदर मोटरसाइकिल से शहर के अलग–अलग थाना क्षेत्रों में लूट की ताबड़तोड़ वारदातें करके दहशत फैलाने वाले दो शातिर लुटेरों को थाना नौबस्ता पुलिस ने दबोचा है। पकड़े गए दोनों ही शातिर लुटेरों से बीते एक महीने के अंदर हुई लूट की आधा दर्जन से अधिक वारदातें खुली हैं। पकड़े गए आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। दोनों अभियुक्तों में से एक जनपद लखनऊ से एक हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस आयुक्त ने टीम को 50 हजार रुपए के नगद पुरस्कार की घोषणा की है। लखनऊ से हिस्ट्रीशीटर है राजेश बता दे कि कुछ दिन पहले प्रताप होटल के पास स्कूटी सवार महिला से चेन स्नेचिंग की घटना के सीसीटीवी फुटेज में कैद हुए लुटेरे फिर पिट्ठु बैग पीठ पर लादे नमक फैक्ट्री चौराहे के पास घटना को अंजाम देने की फिराक मे खडे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम को दो लोग मोटरसाइकिल पैशन प्रो से प्रताप होटल की तरफ मोटर साइकिल स्टार्ट कर जाते दिखे। पुलिस टीम ने दोनों को आवश्यक बल प्रयोग

करके पकड़ लिया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान राजेश कुमार पुत्र स्व छोटेलाल निवासी लखनऊ व दूसरा शातिर विजय कुमार पुत्र स्व रामकुमार जनपद आजमगढ का रहने वाला है को प्रताप होटल के सामने अंडरपास के नीचे से निकलकर रामादेवी के पास से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया अभियुक्त राजेश कुमार थाना बाजार खाला जनपद लखनऊ से हिस्ट्रीशीटर है। दोनों शातिरों ने बीती पांच तारीख को सुबह कल्याणपुर में कूड़ा फेंकने गई महिला से चेन लूट की घटना भी कबूली है। फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर चोरी की बाइक से करते थे लूट की वारदात हम दोनों लोग कैटरिंग का काम करते थे हमारा दोनो का संपर्क हरदोई में एक कार्यक्रम में हुआ था। तभी से हम दोनों आपस में दोस्त है। हमने यह मोटर साइकिल चोरी की खरीदी थी और हम लोग इसी मोटरसाइकिल से घटना कारित करने लखनऊ से कानपुर आते है और घटना करके वापस लखनऊ चले जाते है।

संक्षिप्त खबरे

दबंगों ने घर में घुसकर पीटा युवक घायल

लखनऊ। लाठी–डंडों और धारदार हथियार से दबंगों ने मारपीट कर युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया । जिसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। अनूप गौतम पुत्र नंदलाल गौतम ग्राम सभा गहरू थाना सरोजनीनगर ने थाने पर मुकदमा दर्ज कराया है कि बीती रात्रि समय लगभग 10रू30 बजे मेरा भाई अमित गौतम अपने पुराने घर से खाना खाकर अपने नए घर सोने के लिए जा रहा था। जैसे ही हमारा भाई दरवाजा खोलकर अंदर पहुंचा पहले से ही घात लगाए बैठे प्रेम कश्यप पुत्र रामकिशन कश्यप प्रेम की पत्नी शालू कश्यप प्रेम के दोनों भाई रामू और श्यामू ने मिलकर पीछे से हमारे भाई के घर में घुसकर लाठी–डंडों व धारदार औजार से जानलेवा हमला कर दिया जिससे हमारा भाई बुरी तरीके से घायल हो गया है। मेरा भाई वहां से भगा तथा रास्ते में आकर बेहोश हो गया। हमारे भाई के सिर में गहरी चोट लगी हैं। घायल भाई को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरोजनीनगर व लोक बंधु अस्पताल में इलाज कराने के लिए ले गए जहां पर गंभीर हालत देखते हुए डॉक्टरों ने जवाब दे दिया है। भाई को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है जहां इलाज चल रहा है। सरोजनीनगर थाने की पुलिस ने अनूप के प्रार्थना पत्र पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा लिखकर मामले की छानबीन करके आरोपियों की तलाश कर रही है।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

लखनऊ। तीन दिन पहले सड़क दुर्घटना में घायल हुए युवक की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। बैजनाथ पुत्र स्व मथुरा कंकइकुआ थाना बिजनौर ने थाने पर मुकदमा दर्ज कराया है कि मेरा पुत्र मोनू मोटरसाइकिल से खटोला स्थित सुहावा मोड़ के पास बाइक मरम्मत की दुकान पर काम करता था। बीती 4 मई को समय करीब रात 9रू00 बजे मोटरसाइकिल की दुकान से काम करके घर वापस लौट रहा था तभी ग्राम अनूप खेड़ा थाना बिजनौर के पास पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे डंपरध् ट्रक संख्या यूपी 32 एचएन 82 29 वाहन स्वामी निखिल जोहर ने प्रार्थी के पुत्र की मोटरसाइकिल यूपी 32 एफ यू 2747 में जोरदार टक्कर मार दी और डंपर चालक मौके से भाग गया था। प्रार्थी के पुत्र के सिर पैर मुंह में प्राणघातक चोटें आई और प्रार्थी के पुत्र शरीर के अंदरूनी हिस्सों में काफी गंभीर चोट आई थी। जिसके चलते उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना पुलिस को वहां पर राहगीरों द्वारा दी गई थी तथा प्रार्थी को सूचना पुलिस द्वारा दी गई और कहा गया कि आपके पुत्र को लोकबंधु अस्पताल में ले जाया जा रहा है। प्रार्थी तथा प्रार्थी का परिवार लोक बंधु अस्पताल पहुंचा तो डॉक्टरों द्वारा प्रार्थी के पुत्र को मृत घोषित कर दिया गया। थाने की पुलिस ने रिपोर्ट लिखकर डंपर ट्रक को सीज कर दिया है और आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

गन्ने के खेत में मिला शव

अयोध्या। पूराकलंदर थाना क्षेत्र के अलावलपुर के पंचायत भवन के पीछे शनिवार शाम को मिले शव की शिनाख्त रविवार को सुबह हुई। मृतक की पहचान कोतवाली नगर के कसाबबाड़ा मोहल्ले के शमशाद कुरैशी के रूप में हुई है। शहर से करीब 14 किलोमीटर दूर शव का पाया जाना रहस्य बना हुआ है। हालांकि पुलिस हर पहलू की जांच में जुटी हुई है। बता दें कि पूराकलंदर थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत अलावलपुर के पंचायत भवन के करीब 200 मीटर दक्षिण गन्ने के खेत में शनिवार शाम करीब 4:00 बजे ग्रामीणों ने एक शव देखा। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन नहीं हो सकी। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक गांव का रहने वाला नहीं था। इसके बाद पुलिस जांच में जुट गई। रविवार सुबह शव की शिनाख्त नगर कोतवाली के कसाबबाड़ा निवासी शमशाद कुरैशी के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष पूराकलंदर रतन शर्मा ने बताया पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा। उन्होंने बताया कि परिवारजनों के अनुसार मृतक मानसिक रूप से बीमार था।

इत्र कारोबारी के साथ व्यापार में शामिल ट्रांसपोर्टर व पान मसाला सप्लायर समेत कई और पर कसेगा शिकंजा

कानपुर । इत्र कारोबारी पीयूष जैन के साथ व्यापार में शामिल ट्रांसपोर्टर व पान मसाला सप्लायर समेत कई और लोगों की मुश्किलें भी बढ़ सकती हैं। डीजीजीआई की ओर से पीयूष की तीन फर्मों समेत छह फर्म व उसके आठ निदेशक व साझेदारों को नोटिस जारी किया गया है। जल्द ही इनके खिलाफ भी चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की जा सकती है। पीयूष की तीनों फर्मों पर लगभग 497 करोड़ रुपये जीएसटी की देनदारी निकाली गई है। इस बात का खुलासा डीजीजीआई के विशेष लोक अभियोजक अम्बरीष टंडन ने किया। अम्बरीष ने बताया कि मेसर्स ओडोचौम इंडस्ट्रीज, मेसर्स फ्लोरा नेचुरले, मेसर्स ओडोसेंथ आईएनसी व उसके साझेदार पीयूष कुमार जैन, अम्बरीष कुमार जैन, महेश चंद्र जैन, मेसर्स त्रिमूर्ति फ्रेग्रेंस प्रा.लि. व उसके निदेशक दीपक अग्रवाल को नोटिस जारी किया गया है। 290 करोड़ रुपये और चुकाने पड़ेंगे इसके अलावा, मैनेजर शैलेंद्र मित्तल, मेसर्स गणपति रोड कैरियर्स प्रा.लि. व उसके निदेशक प्रवीण कुमार जैन, रजत जैन, मेसर्स एस. कुशलचंद इंटरनेशनल प्रा.लि. व उसके निदेशक सुनील ए.हिरानी को भी नोटिस भेजा गया है। इनके खिलाफ विवेचना लगभग पूरी हो गई है। जल्द ही इनके खिलाफ भी मुकदमा चलाने के लिए कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। डीजीजीआई ने 497 करोड़ की देनदारी निकाली है। लगभग 207 करोड़ रुपये सीज किया जा चुका है। इस लिहाज से पीयूष को लगभग 290 करोड़ रुपये और चुकाने पड़ सकते हैं।

ताड़ी उतारने के लिए पेड़ चढ़ा मजदूर नीचे गिरा,हुई मृत्यु

हरदोई। ताड़ी उतारने के लिए पेड़ पर चढ़ा मजदूर अचानक पैर फिसलने से नीचे गिर कर जख्मी हो गया। उसे पहले सीएचसी ले जाया गया, जहां से मेडिकल कालेज रिफर कर दिया गया।

आखिर किस मद में खर्च किए गए पंचायतों के लाखों रुपये

सिर्फ कंस्ट्रक्शन फर्म के नाम को बिल में शामिल करके मनमानी तरीके से निकाल लिया पैसा

कमलापुर (सीतापुर)। जहां पर प्रदेश सरकार ने ग्राम पंचायतों के चहुंमुखी विकास के लिए पंचायतों को नई नई योजनाओं के नाम पर करोड़ों रुपए पंचायतों के खाते में भेज रही है। वहीं पर पंचायतों के अधिकारी इस सरकारी धन को मनमानी तरीके से निकाल कर खर्च किए जा रहे। विकासखंड कसमंडा के विभिन्न ग्राम पंचायतों के पंचायत सचिव ने सरकारी धन को किस मद में निकाल कर खर्च किया है। इसका जिक्र अपने बिल में शामिल करना उचित नहीं समझते है और सिर्फ कंस्ट्रक्शन फर्म के नाम को बिल में शामिल करके मनमानी तरीके से पैसा निकाल कर खर्च किया गया है। ब्लॉक कसमंडा के ग्राम पंचायत गनेशपुर, बंभेरा, बसंतपुर सहित विभिन्न प्रभार वाली पंचायतों में तत्कालीन सचिव अभय प्रताप दीपक ने कुछ इसी तरह से खेल करते हुए सरकारी धन का आहरण कर सिर्फ कंस्ट्रक्शन फर्म के

नाम को चिन्हित करते हुए मनमानी तरीके से धन को खर्च में दिखा दिया है। इस धन को किस मद में कहा खर्च किया है यह लिखकर पारदर्शी करना उचित नहीं समझा। सूत्रों की माने तो सचिव अभय प्रताप दीपक इस तरह के घोल मोल करने में काफी अनुभवी है और उनको इस तरह के खेल करने में महारत हासिल है। बीते सत्र 2023 के सिर्फ जनवरी माह से लेकर मार्च माह तक यदि सचिव अभय दीपक के प्रभार वाली पंचायतों का डाटा निकाल कर देखा जाए तो उसमें सभी पंचायतों से लाखों रुपये किस मद में निकाले गए यह जानना टेढ़ी खीर होगा। हां किसके फर्म पर रुपए का भुगतान किए गए सिर्फ यही देखने को मिल सकेगा। ब्लॉक कसमंडा में सचिवों द्वारा पंचायतों में किए गए वित्तीय अनिमियता के मामले उच्चाधिकारियों से छिपे नहीं हैं। लगातार मनमानी और वित्तीय अनियमियता के मामले में कई सचिव निलंबित भी किए जा चुके हैं। जिससे विकासखंड कसमंडा जनपद स्तर में सुर्खियों में आए दिन बना रहता है।

युवक ने की आत्महत्या

हरदोई। साली की शादी से दो दिन पहले ही जीजा ने अपने घर के अंदर फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। बताया गया है कि किसी बात की जिद पर अड़ी पत्नी से उसकी कहा सुनी हो गई थी। उसी के चलते उसने ऐसा कदम उठाया। पुलिस सारे मामले की जांच कर रही है। बताते हैं कि कोतवाली शहर के काशीपुर निवासी 40 वर्षीय उत्तम उर्फ ब्रह्मानंद पुत्र ईश्वरी प्रसाद की ससुराल पिहानी कोतवाली के बेरवा खेड़ा में है। 8 मई को उसकी साली की शादी होना थी। उसकी पत्नी सुमन शादी को ले कर किसी जिद पर अड़ी हुई थी। जिससे उसकी कहासुनी हो गई। उसके बाद उत्तम उर्फ ब्रह्मानंद ने पत्नी और अपने बच्चों को ससुराल भेज दिया। उसके बाद शनिवार की देर रात को उसने घर के अंदर पड़े छप्पर के नीचे गमछे से फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। इसका पता होते ही वहां कोहराम मच गया। उधर उसकी ससुराल में चल रही शादी की तैयारियों के बीच वहां मौत का मातम छा गया।

तालकटोरा में दो मंजिला मकान के नीचे दुकान में लगी आग

लखनऊ । राजधानी के थाना तालकटोरा क्षेत्र के भव्य पुरम कालोनी में एक दो मंजिला मकान के नीचे बनी दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। दुकान के ऊपरी मंजिल पर रहने वाला परिवार फंस गया और चीखपुकार मच गया। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आनन–फानन में सीढ़ी लगाकर ऊपर फंसे लोगों को निकालने में जुट गई और कड़ी मशक्कत करने के बाद साल परिवार के सभी सदस्यों को नीचे सकुशल उतार लिया। इसमें सात लोग शामिल थे। करीब आधा घंटे के अंदर आग पर काबू पा लिया गया। इसके

बाद लोगों ने राहत की सांस ली। मुख्य अग्निनशमन अधिकारी मंगेश कुमार ने बताया कि रविवार को दिन में सूचना मिली कि तालकटोरा थानाक्षेत्र में एक दुकान में आग लग गई है और दुकान के ऊपरी हिस्से में रहने वाले लोग फंस गए हैं। सूचना पर तत्काल दो फायर बिग्रेड की गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मी वहां पर पहुंचते ही कुछ लोग आग को काबू करने में जुट गए और कुछ सीढ़ी लगाकर ऊपर से लोगों को उतारने का प्रयास शुरू कर दिया। करीब आधा घंटे के अंदर ऊपरी मंजिल पर फंसे मो. नदीम पुत्र अब्दुल नसीद उम्र 80, मोहसिना अंसारी पत्नी मो. नसीन, नुसरा अंसारी पुत्री अब्दुल नसीद, बुसरा अंसारी पुत्री अब्दुल नसीम, दाऊद पुत्र मो. नसीम तथा ऊजैसा पुत्र शकील अंसारी को सकुशल ऊपर से नीचे उतार लिया गया।

तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत,गांव में मातम पसरा

कानपुर । कानपुर के सजेती थाना क्षेत्र में तालाब में नहाने गए दो किशोरों की डूबने से मौत हो गई। घटना का पता चलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से दोनों को तालाब से निकलवाकर सीएचसी, घाटमपुर लाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के घुरऊपुर गांव निवासी सोनू (17) पुत्र उजियारीलाल और दीपक (16) पुत्र लालता प्रसाद अपने कुछ दोस्तों के साथ तालाब में नहाने गए थे। रविवार सुबह 11 बजे सारे दोस्त लौट आए, लेकिन दोनों नहाते रहे। कुछ देर बाद अचानक दीपक डूबने लगा।

आग लगने से कई जुग्गी झोपड़ियां जलकर राख

लखनऊ । गर्मी शुरू होते ही राजधानी में आग लगने की घटनाओं में इजाफा हो गया है। हर दिन कहीं न कहीं आग लगने की घटना हो जा रही है। रविवार की सुबह बाजारखाला के ऐशबाग चौकी अंतर्गत जुग्गी झोपड़ी में अचानक से आग लग गई। सूचना पर दमकल की गाड़ियां भी मौके पर पहुंच गए और करीब एक घंटे बाद आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि गनीमत यही रहा कि आग लगने के दौरान जुग्गी झोपड़ी में कोई मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो जाता। बाजारखाला के रामनगर धोबी घाट के पास बड़ी संख्या में भीग मांगने वाले जुग्गी झोपड़ी बनाकर रहते हैं।

वर्तमान में इधर भीख मांगने वाले त्योहार के बाद अपने घर चले गए थे। जिसकी वजह से झोपड़ी खाली थी। रविवार की सुबह अचानक से इन झोपड़ियों में आग लग गई। लोगों ने आग की उठती लपटें व धुआं देख इसकी सूचना फायर बिग्रेड को दी। इसके बाद दो दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। जहां झोपड़ी थी वहां गाड़ी जाने का स्थान न होने के कारण पाइप बिछाकर आग को बुझाने का काम किया गया। यही वजह रही कि आग बुझाने में करीब एक घंटा लगा गया। हालांकि इस दौरान कई जुग्गी झोपड़ियां जलकर राख हो गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी मंगेश कुमार ने बताया कि कोई जनहानि नहीं हुई है, चूंकि जुग्गी झोपड़ियां पूरी तरह से खाली थी। उसमें कोई नहीं था तीन जुग्गी झोपड़ी पूरी तरह से जलकर खाक हो गई है। फायर बिग्रेड की टीम ने आग पर जल्द ही काबू पा लिया। जिसके चलते आग फैल नहीं पायी।

चुनाव प्रचार ने तेजी से पकड़ी रफ्तार,नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार से मतदाता नाराज

प्रत्याशी घर–घर जाकर मतदाताओं को लुभाने की कोशिश में जुटे

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कानपुर । नगर निगम चुनाव में प्रत्याशियों ने अपने प्रचार अभियान में तेजी से रफ्तार पकड़ी है। चुनाव प्रचार में अब दो दिन शेष बचे है। पार्षद से लेकर मेयर प्रत्याशी प्रचार में दिन–रात एक किये है। रविवार को शहर में सपा,भाजपा व निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपने –अपने समर्थकों संग वाहन जुलूस निकाला यह सिलसिला देर शाम तक चला। 11 मई को कानपुर नगर में मतदान होना है और नौ मई तक प्रचार अभियान चलना है। अगले बचे शेष दो दिन के अंदर ही सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव शहर आकर जनसभा करेंगे। इसके साथ ही प्रत्याशी घर–घर जाकर मतदाताओं को लुभाने की कोशिश करेंगे और मतदाता भी अपना फैसला लेंगे।

कानपुर नगर निगम के सभी 110 वार्डों में चुनाव प्रचार चरम पर है। मतदाताओं से दैनिक तरुणमित्र ने बात की और उनसे पूछा कि उनके वोट देने का आधार क्या होगा। इसके लिए तीन विकल्प थे कि वे पार्टी के आधार पर वोट देंगे, प्रत्याशी के आधार पर वोट देंगे या फिर विकास को वोट का आधार बनाएंगे। मतदाताओं ने खुल कर अपनी राय रखी, किन्तु कुछ मतदाता अभी तक अनिर्णय की स्थिति में हैं। वहीं नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार से भी मतदाता खासे नाराज दिखे। विकास को आधार बनाकर देंगे वोट मतदाताओं से बातचीत के आधार पर यह निष्कर्ष निकला है कि यहां विकास ही सबसे बड़ा मुद्दा बनने वाला है। 40 प्रतिशत मतदाताओं ने कहा कि वे विकास को आधार बनाकर वोट देंगे। हालांकि वार्ड–दर–वार्ड यह आंकड़ा बदल रहा था। कुछ वार्डों में तो 50 प्रतिशत से अधिक मतदाता तक विकास के आधार पर वोट देने की बात कर रहे थे, वहीं कुछ में सिर्फ 30 प्रतिशत मतदाताओं के वोट देने का आधार विकास था। हालांकि कुछ मतदाताओं का कहना है कि नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगना चाहिए साथ ही भ्रष्टाचारियों पर सख्त कार्रवाई भी होनी चाहिए।

मतदान के दौरान विकास के बाद प्रत्याशी का चेहरा बड़ा आधार बनने वाला है। औसतन 24 प्रतिशत मतदाताओं ने प्रत्याशी को देखकर मतदान की बात कही। यहां भी कुछ वार्डों में 33 प्रतिशत तक मतदाता प्रत्याशी को देखकर वोट देने की बात कही। नोटा का बटन दबाने से पीछे नहीं हटेंगे मतदाता नगर निगम चुनाव पार्टी के टिकट पर लड़ा जाता है। राजनीतिक दलों के बीच इसे लेकर खासी खींचतान भी चलती है। पार्टी का टिकट पाने के लिए मारामारी भी होती है। मतदाताओं से बातचीत में साफ पता चला कि महापौर के लिए मतदान के समय तो पार्टी देखी जाएगी, किन्तु पार्षद चुनते समय पार्टी सबसे बड़ा आधार नहीं होगी। हालांकि कुछ वार्डों में 34 प्रतिशत तक मतदाता पार्टी को देखकर वोट डालने की बात कर रहे थे, किन्तु कुछ वार्डों में महज 12 प्रतिशत मतदाताओं ने ही पार्टी देखकर वोट डालने की बात कही। चुनावी जागरूकता के तमाम प्रयासों के बीच 13 प्रतिशत मतदाता अभी तय नहीं कर पाए हैं कि वे किस आधार पर वोट देंगे। कुछ वार्डों में तो 24 प्रतिशत तक मतदाता अनिर्णय की स्थिति में दिखे, वहीं कुछ वार्डों में महज तीन से पांच प्रतिशत मतदाता ही अभी अपने वोट का आधार नहीं तय कर सके हैं। हालांकि शहर में कुछ वार्डों में मतदाता नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार से काफी नाराज दिखे।

जनसभा को सम्बोधित करते आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्रशेखर आजाद रावण

सरकार जाति और धर्म को देखकर टारगेट कर रही है देश में डर का माहौल : चंद्रशेखर

मिल्कीपुर–अयोध्या। नवसृजित नगर पंचायत कुमारगंज से चेयरमैन प्रत्याशी कमलेश यादव के समर्थन में आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद रावण ने अयोध्या जिले के कुमारगंज पहुंचकर जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें जातियों में बटे समाज को एकजुट करना है और भाईचारा बनाकर तानाशाही सामंतवादी सरकार को जवाब देना होगा आपको चेयर मैन और सभासद दोनों चुनना है। यह सरकार जाति और धर्म को देखकर टारगेट कर रही है जिससे समाज में डर का माहौल पैदा हो रहा है । ये लोग तानाशाही कर रहे हैं ,इनको वोट की ताकत से सबक सिखाना होगा आपके पास मौका है बेहतर से बेहतर व्यक्ति को चुने हमारी पार्टी ने कमलेश यादव को प्रत्याशी बनाया

है। उन्होंने लंबे समय तक इस क्षेत्र की सेवा की है। परिवर्तन एक सतत प्रक्रिया है लंबे समय तक हमें खुद और अपनी पीढ़ियों को तैयार करना पड़ेगा देश आजाद हुआ 15 अगस्त 1947 को हमें अधिकार मिला 26 जनवरी 1950 को । इस देश में जाति के आधार पर जो सामाजिक और आर्थिक खाई है। जब तक वह दूर नहीं होगी तब तक देश में समानता नहीं आएगी जाति और धर्म के आधार पर गैर बराबरी है जाति देख कर आज भी यहां दलित पिछड़े वर्ग के लोग को अपमानित किया जाता है। हमारा प्रयास है कि हम समाज को जागरूक करें आज भी घोड़ी पर बैठने पर मूंछे रखने पर भी जातिगत टिप्पणियां होती हैं। देश के 10 प्रतिशत लोगों में ही देश के सारे धन और संसाधन हैं संविधान में जो आरक्षण का प्रावधान है, जिससे सरकारी नौकरी मिलती है। लेकिन सरकार द्वारा एक–एक करके सारे डिपार्टमेंट को खत्म कर प्राइवेट कर रही है। अभी 69000 शिक्षकों की भर्ती हुई और 20000 ब–ेज के पद सरकार ने अपने लोगों को दे दिए। यह सरकार न्याय नहीं कर सकती और न्याय भी नहीं दे सकती रोज हत्या और रेप हो रहे हैं राजधानी में लूट हो रही है और सरकार कहती है कि जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रहे हैं। सरकार के पास सिर्फ नफरत का ही एक एजेंडा है बांटो राज करो बाबा साहब ने अपने चार चार बच्चों की कुर्बानी देकर वोट का अधिकार आपको दिया है और आप सही जगह पर वोट नहीं करेंगे तो इस देश में संविधान नहीं बचेगा स्वाभिमान नहीं बचेगा इसकी रक्षा की जिम्मेदारी भारत के कमजोर एवं शोषित लोगों को है।

घटना स्थल पर पहुंची पुलिस

पिकअप ने बाइक सवार दो युवकों रौंदा, मौके पर मौत

मिल्कीपुर–अयोध्या। अयोध्या–रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार पिकअप ने विपरीत दिशा से सामने आ रहे पल्सर सवार दो युवकों को इतना जबरदस्त टक्कर मारा की पल्सर सवार दोनों युवकों के परखच्चे उड़ गए। घटना की जानकारी मिलने पर एस एच ओ कुमारगंज घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया जहां पर डाक्टरों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कुमारगंज क्षेत्र के बरईपारा गांव निवासी उमेश कुमार पुत्र नकछेद 30 वर्ष व अजय कुमार पुत्र श्याम सुंदर 25 वर्ष पल्सर मोटरसाइकिल यूपी 42 बीजे 5416 से अयोध्या रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर विपरीत दिशा से मिल्कीपुर बाजार दवा लाने जा रहे थे बरईपारा व तेधा गांव के बीच में पहुंचे ही थे कि मिल्कीपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार पिकअप यूपी 36टी 8132 ने सामने से जोरदार टक्कर मारा दोनों युवकों के परखच्चे उड़ गए ।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची कुमारगंज पुलिस ने आनन–फानन में उपचार के लिए सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय कुमारगंज ले गए जा इमरजेंसी में तैनात डॉ अनमोल पाठक ने देखने के बाद मृत घोषित कर दिया। मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने दोनों मृतकों का पंचायत नामा कराने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक थाना कुमारगंज ओपी राय ने बताया कि दुर्घटना करने वाली पिकअप को पुलिस टीम द्वारा पकड़ लिया गया है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलते ही विधिक कार्यवाही की जाएगी ,मृतक उमेश कुमार के भाई रमेश कुमार का कहना है कि मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि दोनों लोग गाड़ी खड़ी करके किसी का इंतजार कर रहे थे उसी बीच तेज रफ्तार में आ रही पिकअप ने टक्कर मार दिया जिससे मौत हो गई ।

प्रयागराज में जुटे देश के नामचीन न्यूरोलॉजिस्ट और हेमेटोलाजिस्ट

न्यूरोलाजी और हेमेटोलाजी में नई तकनीकों पर सेमिनार में वृहद चर्चा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। आज एएमए के तत्वाधान में न्यूरोलॉजी हेमेटोलॉजी अपडेट 2023 विषय पर आईएमए सीजीपी 2023 सेमीनार का शुभारम्भ हुआ। जिसकी अध्यक्षता ए०एम०ए० अध्यक्ष डॉ० सुबोध जैन ने की। सेमीनार का संचालन डॉ० तरु पाण्डेय, डॉ० विनीता मिश्रा, डॉ० वर्षा, डॉ० सुबिया, डॉ० अंशुल सिंह, डॉ० विकास श्रीवास्तव, डॉ० अनुभा श्रीवास्तव ने किया। सेमीनार के मुख्य अतिथि न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष प्रो० वाई०आर० यादव ने उद्घाटन करते हुए. ए०एम०ए०सी०सी० सभागार की प्रशंसा की और कहा कि किसी भी संगोष्ठी के लिये इससे उपयुक्त स्थान नही हो सकता तथा ए०एम०ए० के पदाधिकारियों व सदस्यों के संयुक्त प्रयास से ही यह संभव हो सकता है। विशिष्ट अतिथि प्रो० एस०पी० सिंह, प्राचार्य एम०एल०एन० मेडिकल कॉलेज प्रयागराज इस सेमीनार के उद्घाटन समारोह के दौरान विश्व प्रसिद्ध वक्ताओं मेडिसिन के क्षेत्र में उत्कृष्ट व आधुनिक शोध से सभी सदस्यों को अवगत कराना ही इस सेमीनार का मुख्य उद्देश्य है जो कि

इस सेमीनार के माध्यम से पूर्ण हो रहा है। साथ ही उन्होंने ए०एम०ए० सचिव डॉ० आशुतोष गुप्ता, आई०एम०ए० सी०जी०पी० के सहायक निदेशक डॉ० राजेश मौर्या, सहायक सचिव डॉ० सुनील सिंह, इस सेमीनार के आयोजन सचिव डॉ० पंकज गुप्ता व डॉ० वर्षा कुमार, वैज्ञानिक सचिव डॉ० अनुमा श्रीवास्तव तथा सांस्कृतिक सचिव डॉ० विनीता मिश्रा के अथक परिश्रम की सराहना भी की। समारोह में एम०एल०सी० उ०प्र० डॉ० के०पी० श्रीवास्तव व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रयागराज डॉ०वी०के० सिंह ने भी सिरकत की।

उद्घाटन के पश्चात अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चिकित्सकों ने व्याख्यान दिया। डॉक्टर वी के अग्रवाल ओरेशन एन०एस०सी०बी० मेडिकल कॉलेज जबलपुर, न्यूरोसर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० वाई0आर0 यादव, मस्तिष्क रोगों में इण्डोस्कोपी विधि द्वारा उपचार विषय पर अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि वर्तमान समय में जिन दिमागी आपरेशन जैसे हाइड्रोकेफैलस के लिये मरीज के सर को खोलना पड़ता था उसका अब इण्डोस्कोपी विधि द्वारा सूक्ष्म छिद्र से सफल इलाज किया जाता है।

इसी प्रकार से ब्रेन की इण्डोवासकुलर सर्जरी द्वारा कम समय में सकारात्मक उपचार किया जा सकता है। डॉक्टर के एस नियोगी ओरेशन, एम्स, नई दिल्ली के न्यूरोलॉजी विभाग के प्रो० अचल श्रीवास्तव मस्तिष्क रोगों से उत्पन्न होने वाले कंपन के उपचार के विषय में अपना व्याख्यान देते हुए बताया कि इसे ऐसेन्शियल ट्रेमर कहते है यह एक ब्रेन डिसजाडर है व पार्किन्सनिज्म जिसकी वजह से शरीर के किसी भी भाग में कंपन हो सकता है लेकिन सबसे ज्यादा हाथ, कलाई और कोहनी के बीच का भाग ज्यादा प्रभावित होता इसके अलावा सिर, चेहरा, जीम, गर्दन भी इससे प्रभावित हो सकता है। इसके लक्षणों में आवाज का कांपना, सिर हिलते रहना, कुछ कार्य करते समय कंपन होना शामिल है। इस मर्ज से ग्रसित रोगियों का उपचार नई औषधियों द्वारा सामान्य मरीजों को शीघ्र लाभ प्रदान करती है तथा गम्भीर अवस्था में रोग को बढ़ने से रोकता है। एस०जी०पी०आई० लखनऊ के न्यूरोसर्जरी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० पवन कुमार वर्मा, सड़क दुर्घटना के कारण उत्पन्न हुई मस्तिष्क की चोटों की वर्तमान में लागू उपचार सम्बन्धित गाईडलाइन्स के बारे में चिकित्सकों को अवगत कराते हुए चोट की श्रेणी का वर्णन किया तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा जनजागरण अभियान चलाकर युवा वर्ग को यातायात नियमों की जानकारी `व अनुपालन के लिये प्रतिबद्ध करना सुनिश्चित किये जाने पर बल दिया। इसके साथ ही देश के अन्य चिकित्सकों ने भी अपने व्याख्यान दिए। सेमीनार के अन्त में आयोजक सचिव डॉ० वर्षा कुमार व डॉ० पंकज गुप्ता ने सभी आगन्तुकों का धन्यवाद ज्ञापन किया। सचिव डॉ० आशुतोष गुप्ता ने भविष्य में भी ज्ञानवर्धक संगोष्ठियां कराने का आश्वासन दिया।

मनरेगा गाइडलाइन की उडायी जा रही धज्जियाँ

नेबुआ नौरंगिया विकास खण्ड क्षेत्र में बगैर साइन बोर्ड लगाए मनरेगा से हो रहा है कार्य।

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कुशीनगर। जनपद के नेबुआ नौरंगिया विकास खण्ड के विभिन्न ग्राम सभाओं में मनरेगा योजना से चल रहे विकास कार्यों में मनरेगा गाइडलाइन की खुलेआम धज्जियाँ उड़ायी जा रही है। कार्यस्थल पर न तो कोई साइन बोर्ड लगाये गये है और न ही कोई व्यौरा दर्शाया गया है। नतीजतन बगैर साइन बोर्ड लगाए ही कार्य कराकर भुगतान किया जा रहा है। हालांकि, मनरेगा योजना में साइन बोर्ड लगाने के बाद ही कार्य शुरू कराने का प्रावधान है। काबिलेगौर है कि जिले के नेबुआ नौरंगिया ब्लाक में कुल 77 ग्राम सभाएं हैं। गांवों में मनरेगा योजना से सड़क भराई, इंटरलाकिंग, नाली, पोखरा खुदाई, खेल मैदान, मिनी स्टेडियम निर्माण के कार्य कराए जा रहे हैं। इस योजना के तहत कार्यस्थल पर साइन बोर्ड लगाकर परियोजना का नाम, लागत सहित कार्य प्रारंभ से लेकर समापन की तिथि का उल्लेख करना अनिवार्य होता है, लेकिन इन नियमों को दरकिनार कर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बिना साइन बोर्ड लगाए ही निर्माण कार्य शुरू हो गया है जबकि इस बोर्ड को लगाने के लिए महज चार से पांच हजार रुपये धन खर्च होता है लेकिन

इस बोर्ड के न लगने के पीछे वजह यह है कि पारदर्शिता की कही पोल न खुल जाये। यही वजह है कि जिन कुछ जगहों पर साइन बोर्ड लगे हैं, वहां बोर्ड पर अंकित उल्लेख अपठनीय बना दिया गया है, ताकि गांव के लोगों को सही जानकारी न मिल सके। सिरसिया कला में खेल मैदान का निर्माण कार्य अंतिम दौर में है, लेकिन वहां पर भी साइन बोर्ड नहीं लगा है। ग्राम सभा कलवारीपट्टी में पोखरा सफाई और स्ट्रीट लाइट का कार्य हो गया है, लेकिन वहां भी बोर्ड नहीं है। ग्राम पंचायत खैरटिया शीतलापुर में खेल मैदान निर्माण अभी चल रहा है। इस गांव में भी साइन बोर्ड नहीं लगा है। इस संबंध मे बीडीओ उषा पाल ने बताया कि मनरेगा कार्य में बगैर बोर्ड लगाए कार्य शुरू नहीं किया सकता है। यदि ऐसा हो रहा है, तो अनियमितता है। इसकी जांच कर कार्य प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरे

नौ मई से सौ दिन के लिए बंद होगा निरंजन पुल के नीचे का रास्ता

प्रयागराज। निरंजन रेल ब्रिज के नीचे से होकर गुजरने वाली सड़क नौ मई से सौ दिन के लिए बंद की जाएगी। इस पुल पर एक और रेल ट्रैक बिछाने के लिए रेलवे की ओर से यहां सौ दिन का ब्लॉक लिया जा रहा है। जिला प्रशासन ने इसकी मंजूरी शनिवार को दे दी है। पुराने शहर को सिविल लाइंस से जोड़ने वाले इस रास्ते को बंद किए जाने से हजारों की आबादी का जाम से प्रभावित होना तय है। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल का रेल ब्रिज संख्या 38 को निरंजन रेल अंडर ब्रिज के नाम से जाना जाता है। मौजूदा समय ब्रिज के ऊपर से पांच रेल लाइन है। एक और रेल ट्रैक बिछाने के बाद इसकी संख्या कुल छह हो जाएगी। दरअसल झूंसी से प्रयागराज जंक्शन तक रेल ट्रैक दोहरीकरण की वजह से ही निरंजन पुल पर एक और रेल ट्रैक बिछाया जाना है। इसको लेकर पिलर का निर्माण व आरसीसी के गर्डर लगाए जाएंगे। इस अवधि में अलग–अलग दिन कुछ घंटे के लिए ट्रेनों का भी आवागमन रोका जाएगा। ब्लॉक अवधि में कुछ ट्रेनें वाया ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के रास्ते भी चलाई जा सकती हैं। ऐसे में इन ट्रेनों का ठहराव रेलवे प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर करेगा। पुल पर काम शुरू करने के लिए रविवार सुबह रेलवे के साथ जिला प्रशासन, नगर निगम, पीडीए, विद्युत विभाग, बीएसएनएल, जलकल विभाग के अफसर साइट का निरीक्षण करेंगे।

दिव्यांग प्रकोष्ठ ने भाजपा की जीत के लिए किया पूजन हवन

प्रयागराज। भाजपा महापौर प्रत्याशी उमेश चंद्र गणेश केसरवानी व समस्त भाजपा पार्षदो की जीत की कामना के लिए रविवार को भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ के महानगरसह सयोंजक राजा मेहरोत्रा व प्रियेश सिंह ने बंधवा स्थित हनुमान मंदिर पर हवन पूजन किया। हवन कार्य पंडित शिवानंद द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर राजा मेहरोत्रा ने कहा ट्रिपल इंजन की भाजपा सरकार ही प्रयागराज को स्मार्ट सिटी बनाकर नगर का सर्वांगीण विकास कर सकती है। पूजन में अतुल खन्ना, राजेश केसरवानी, रितिका गुप्ता व अन्य कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

प्रयागराज। जनहित में प्रयागराज के प्रसिद्ध चिकित्सकों द्वारा निः शुल्क चिकित्सा जाँच शिविर लगाया गया। इस चिकित्सा शिविर का आयोजन चर्चित पॉली क्लीनिक सिविल लाइन्स आपकर भवन के बगल में लगाया गया। शिविर में डा० आसिम खान जनरल फिजिशियन चिकित्सा स्वरूप रानी हस्पिटल, डा0 अल्का दास गायनिकोलिजिस्ट, डा0 अभिलाषा कुमार गायनेकोलॉजिस्ट एवं डा० एन. के पाण्डेय हड्डी रोग विशेषज्ञ द्वारा 100 से ज्यादा मरीजों का चिकित्सा परिक्षण किया द्वारा गया। एस. आर. एल. पैथालॉजी तमाम पैथालॉजी जाँचे मुफ्त मे की गयी जिसमे एचबीए ध्सी कोलेस्ट्रॉल केएफटी प्रमुख जाँचे थी के साथ ही अन्य जाँच की गई। शिविर में दवाइयों मे विशेष छूट प्रदान की गयी। इस चिकित्सा शिविर का संचालन शहर की प्रमुख समाज सेवी रोटेरियन पूनम रे जो कि चर्चित पॉलीक्लीनिक एवं केमिस्ट की संचालक हैं, के द्वारा किया गया। डा0 आसिम खान चिकित्सक स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय एवं मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज का भी विशेष योगदान रहा।

डिप्टी सीएम के जन्म दिन पर केक काटकर व्यापारियों ने दी बधाई

प्रयागराज। व्यापारी एकता समिति उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष विजय गुप्ता की अध्यक्षता में उतर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्या का जन्म दिवस मुट्ठीगंज में धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर केक काटकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी गई तत्पश्चात मिठाई का वितरण किया गया। डिप्टी सी एम को जन्म दिन की बधाई देते हुए विजय गुप्ता ने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि उत्तर प्रदेश सरकार में केशव प्रसाद मोर्या उप मुख्यमन्त्री हैं जो सदैव व्यापारी हितों को प्राथमिकता देते रहे हैं। उप मुख्यमंत्री को जन्म दिन की बधाई देने वालों में मुख्य रूप से राम प्रसाद यादव, मनीष गुप्ता, रवि गुप्ता, आरती, पूर्णिमा, प्रीति रानी सोनी, अतुल, जय श्री विजय, राहुल राज, सुनील, मनोज, सुनील त्रिपाठी आदि व्यापारीगण शामिल रहे।

आईटी में नौकरी पाने को युवाओं को कैरियर परामर्श सेमिनार में दी गई जानकारी

प्रयागराज। समाज में माध्यमिक शिक्षा के उपरान्त रोजगार परक शिक्षा की अहमियत को देखते हुए दरियाबाद स्थित दरगाह हजरत अब्बास में संगोष्ठी आयोजित कर सूचना प्रौद्योगिकी में नौकरी व उन्मुख कैरियर परामर्श छात्र छात्राओं को दिया गया। इसमें बड़ी संख्या में युवाओं की उपस्थिति रही। कम समय में उन युवाओं को उन्मुख कैरियर के प्रति जागरूक किया गया जो कम समय अवधि में सूचना प्रौद्योगिकी के विभिन्न कार्य क्षेत्रों में प्रवेश करना चाहते हैं। आई टी विशेषज्ञ सैय्यद ऊरुज अब्बास ने युवाओं को प्रोजेक्टर के माध्यम से विस्तार से कोर्सेज के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक रजा अब्बास जैदी ने किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर हुसैन कमालउद्दीन अकबर, मौलाना अलमदार हुसैन, मौलाना जवादुल हैदर रिजवी ने भी युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए शिक्षित बनो जागरुक रहो और समाज व देश का नाम उच्च शिखर तक लेकर जाने की नसीहत दी।

अवधेश, सार्थक, महिमा और अक्षिता अगले दौर में

प्रयागराज। ईगल आई शूटिंग स्पोर्टस अकादमी द्वारा आयोजित ओपन डिस्ट्रिक्ट शूटिंग चौंपियनशिप में शहर के अवधेश पटेल, विष्णुप्रिया, महिमा, अक्षिता, सार्थक, वैभव, शुभांकर ने अपने–मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनाई।

वृंदावन की सड़कों पर दौड़ रहे ओवरलोड टेंपो, ई रिक्शा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मथुरा। वृंदावन की सड़कों पर दौड़ते बेलगाम ओवर लोडिंग टेंपो व ई रिक्शा चालक एक बड़े हादसे को न्योता देते दिखाई दे रहे है, जबकि यातायात नियमों का पाठ पढ़ाने के लिए चौराहे तिराहे पर स्थानीय पुलिस के अलावा ट्रैफिक पुलिसकर्मी भी तैनात किए गए है। इसके बावजूद बेखौफ टेंपो व रिक्शा चालकों को ओवरलोडिंग कर सड़को पर दौड़ता देखा जा सकता है। कई बार ओवरलोडिंग के कारण दर्जनों लोग अपनी जान भी गवा चुके है। ऐसा ही कुछ नजारा इन दिनों मथुरा रोड व शहरी क्षेत्र में देखा जा सकता है। मथुरा वृंदावन मार्ग पर जहां सवारियो को ओवरलोड भरकर टेंपो चालक फर्राटा मारते देखे जा सकते है। वही बिना किसी भय

के महज छः या सात से अधिक सवारियो को लेकर जाने वाले ई रिक्शा में भी दर्जनो चालक भी सवारियों को बैठाकर हादसे को न्योता दे रहे है। कमाल की बात तो यह है, कि जाम के झाम से निपटारा दिलाने की लिए चप्पे चप्पे पर तैनात पुलिसकर्मियों की नजर से यह कैसे बच पा रहे है। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है, या तो पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी को लेकर लापरवाह है या फिर सब कुछ खुली आंखों से देखते हुए भी वह किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे है। सूत्रों की माने तो मथुरा वृंदावन मार्ग पर दौड़ रहे अधिकांश टेंपो लाल रंग के है। जिन्हे सिर्फ ग्रामीण क्षेत्र में ही चलाया जा सकता है।

टप्पेबाजों ने यात्री को झांसा देकर नकदी व बैग लेकर हुए फरार, परदेश कमाने गया था युवक

प्रतापगढ़। परदेश से कमाकर घर आ रहे युवक को टप्पेबाजों ने जल्दी घर पहुंचाने का झांसा देकर उसके दौ बैग व बैग में रखे पॉच हजार से अधिक रूपए लेकर चंपत हो गये। युवक पुलिस को सूचना देकर हॉथ मलता रहा। जौनपुर के आनापुर मझिगवां निवासी सदाशिव पटेल पुत्र महॅथ पटेल मुंबई में से कमाकर रविवार की सुबह साकेत एक्प्रेस ट्रेन से प्रतापगढ़ रेलवे जंक्शन पर उतरा। जौनपुर जाने के लिए वह पट्टी के रायपुर रोड़ स्थित बस स्टैण्ड पहुंचा और सवारी गाड़ी का इंतिजार करने लगा। इस बीच पहले से घात लगाए हांथ में बैग लिए एक युवक उसके पास पहुंचा। पीड़ित से बात करते हुए टप्पेबजा ने सवाली लेट मिलने की बात कहकर अपने घर से बाइक बुलाने की बात कही और जल्दी घर पहुंचाने का झांसा दिया। पूर्व प्लानिंग के मुताबिक टप्पेबाज का दूसरा साथी बाइक लेकर पहुंचा।

316 दिव्यांग जनों को नि:शुल्क वितरित हुआ कृत्रिम अंग

प्रयागराज। नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर, राजस्थान एवं रोटरी इलाहाबाद मिडटाउन के सह आयोजन से आज 316 दिव्यांग जनों को निशुल्क कृत्रिम अंग वितरित किया गया। जिसमें दिव्यांगजनों के हाथ (कन्धों एवं कोहनी से) एवं पैरों (जांघ से नीचे) के नारायण क्रित्रिम अंग (लिम्ब) नारायण सेवा संस्थान के द्वारा संस्थान के निदेशक प्रशान्त की प्रेरणा से हरि प्रसाद नड्डा के निर्देशन में लगाये गये एवं उन्हे ठीक ढंग से इस्तेमाल करने का प्रशिक्षण भी दिया गया। दिव्यांगजनों एवं उनके सहयोगियों को खाने के पैकेट एवं पानी की व्यवस्था रोटरी क्लब की तरफ की गई थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता रोटेरियन शिव शंकर सिंह ने की एवं संयोजक संजय गुप्ता रहे। कार्यक्रम में रोटेरियन इक्उ सतपाल गुलाटी, संजय गुप्ता, अंकिता माहेश्वरी, विनय, संजीव जैन एवं रोटरी इलाहाबाद मिडटाउन की पूरी टीम तकरीबन 50 वाल्न्टियर्स ने कार्यक्रम में पूरा सहयोग किया। जिला दिव्यांग अधिकारी कार्यालय का भी पूरा सहयोग कार्यक्रम में रहा।

यह कार्यक्रम प्रयागराज एवं अंचलों के दिव्यांगजनों के लिए वरदान की तरह है। कृत्रिम अंग लगने से वे अपने जीवन को सुचारु रूप से चला सकेंगे व सामान्य व्यक्ति की तरह जीवन जी सकेंगें। रोटरी क्लब मिडटाउन प्रयागराज वासियों की तरफ से नारायण सेवा संस्थान के फाउण्डर कैलाश अग्रवाल एवं निदेशक प्रशान्त अग्रवाल को धन्यवाद ज्ञापित किया।

पुलिस गिरफ्त में वारंटी।

पुलिस ने दबोचे पांच वारंटी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर वांछितधवारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान के क्रम में थानाध्यक्ष भरतकूप सूबेदार बिन्द की अगुवाई में पुलिस ने पांच वारंटियों को गिरफ्तार किया है।

रविवार को भरतकूप थाने के दरोगा कन्हैयालाल पाण्डेय की टीम ने एससी–एसटी एक्ट के वारंटी संजय द्विवेदी पुत्र गनेश द्विवेदी निवासी सुदिनपुर को गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा कन्हैयालाल पाण्डेय, सिपाही सौरभ राजपूत शामिल रहे।

इसी क्रम में दरोगा इमरान खान की टीम ने खनिज अधिनियम के वारंटी राधेश्याम पुत्र हीरालाल निवासी गोण्डा को गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा इमरान खान, सिपाही अजीजुद्दीन शामिल रहे। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक राजापुर भास्कर मिश्रा की अगुवाई में दरोगा कृष्ण देव मिश्रा की टीम ने चोरी माल बरामद के मामले में सुनील सिंह पुत्र रामसंवारे निवासी नादिन

कुर्मियान को गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा कृष्ण देव मिश्रा, सिपाही अंकित शुक्ला शामिल रहे। वहीं प्रभारी निरीक्षक बहिलपुरवा गुलाबचन्द्र सोनकर की अगुवाई में दरोगा रविन्द्र कटियार की टीम ने गैंगस्टर एक्ट के वारंटी बुद्धराज सिंह पुत्र शिवसागर सिंह व सोनू उर्फ महिलु पुत्र भुरैया सविता निवासी ऐंचवारा को गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा रविन्द्र कुमार कटियार, सिपाही एहसान अली शामिल रहे।

पिता–पुत्रों को पीटकर, घर में लगाई आग

कौशाम्बी। कौशाम्बी कोतवाली इलाके अंतर्गत विदांव गांव में एक व्यक्ति के घर दो लोग घुस गए। चारपाई पर लेटे पिता–पुत्रों को लाठी–डंडे से जमकर पीटा। घटना के बाद घायल पिता–पुत्र थाने पहुंचे और पुलिस को तहरीर दी। इस पर बौखलाए आरोपितों में घर में आग लगा दी। पुलिस केस दर्ज कर आरोपितों की तलाश में जुट गई है।

शनिवार की रात लगभग नौ बजे रिग्घू, उसका बेटा कामता व बृजमोहन घर के अंदर चारपाई में सो रहे थे। पुलिस के अनुसार, गांव के महेश प्रसाद व शीतल लाठी–डंडा लेकर पहुंचे और हमला बोल दिया। जब तक रिग्घू कुछ समझ पाता आरोपितों ने रिग्घू व उसके दो बेटों को लहूलुहान कर दिया। घायलावस्था में तीनों तहरीर लेकर थाने पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। आरोप है कि थाने जाने की बात पर शीतल आग बबूला हो गया रिग्घू के घर में आग लगा दी।

मोमिन की पहचान है अपने आस पास के बन्दे की परेशानी पर फौरन से पेश्तर पहुंचे: मौलाना आबिद बिलग्राम

प्रयागराज। मस्जिद काजी साहब बख्शी बाजार में जुल्फेकघर मिर्जा इब्ने अहमद मिर्जा की चालीसवें की मजलिस को खिताब करते हुए हैदराबाद से आए फकरे कौम मौलाना सैय्यद आबिद बिलग्रामी ने कहा एक मोमिन की पहचान ऐसी होनी चाहिये की उसके आस पास के बन्दे को कोई परेशानी हो तो फौरन से पेश्तर पहुंच कर उसकी परेशानी को कमतर करने का सबब फराहम करें। मौलाना ने हरकघ्दम पर शुक्रे खुदा करने की भी नसीहत दी। कहा हमें अल्लाह ने जो नेमत अता की उसका शुक्रिया अदा करने का सबसे सही रास्ता है बारगाहे खुदावन्दी में शुक्र का सजदा करो गुनाहों से तलाफी और अपने लिए दुआ मांगने से पहले दूसरों के हकघ में दुआ करो तो अल्लाह उसके तुफैल में तुम्हारी भी दुआ कघ्बूल करेगा। मौलाना ने करबला के शहीदों का भी जिक्र किया। कहा हजरत इमाम हुसैन ने करबला के मैदान में तेग और तलवारों के बीच नमाज अदा कर में पैगाम दिया है उसे राएगां मत जाने दो। मजलिस से पहले मोहम्मद हुसैन सल्लामहू कानपूरी ने अपने तास्सुरात से मौला हुसैन व मौला अब्बास की शान में मनकघ्बत पेश की। रियाज मिर्जा ने गमगीन मर्सिया से पढ़ा। शहीर रालवी ने पेशख्वानी के फराएज अंजाम दिए। अन्जुमन अब्बासिया रानीमंडी के नौहाख्वानो ने पुरदर्द नौहा पढ़ा। उम्मुल बनीन सोसायटी के महासचिव सैय्यद मोहम्मद अस्करी के अनुसार मरहूम जुल्फेकघर मिर्जा की चालीसवें की जनानी मजलिस नूरउल्लाह रोड स्थित मरहूम के आवास पर हुई जिसे मोहतरमा आफरीन साहिबा ने खिताब किया।

प्रयागराज के पहले अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी एस्ट्रो टर्फ मैदान का निर्माण पूरा

30 करोड़ की लागत से इनडोर स्टेडियम निर्माण का कार्य शुरू

ग्रामीण क्षेत्रों में 5 मिनी स्टेडियम का निर्माण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के साथ – साथ खेलों को प्रोत्साहित करने में भी योगी सरकार की नीतियां तेजी से धरातल पर उतर रही हैं। प्रयागराज में शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में इसकी बदलती तस्वीर सामने आ रही है। ग्रामीण क्षेत्रो में मिनी स्टेडियम की स्थापना और प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी एस्ट्रो टर्फ मैदान का निर्माण इसी का परिणाम है। प्रयागराज को जून के महीने में जिले के प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी एस्ट्रो टर्फ मैदान की सौगात मिलने जा रही है। स्मार्ट सिटी योजना के तहत इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में ध7.7करोड़ की लागत से यह मैदान बनकर लगभग तैयार है। यह नया आयताकार मैदान 91.40 मीटर • 55 मीटर के क्षेत्र का है जिसमे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन हो सकेगा। अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के पास प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने ध30 करोड़ की लागत से मिनी इनडोर स्टेडियम का निर्माण कार्य शुरु कर दिया है। अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस सौगात को शहर को देने का ऐलान किया था। आयुक्त विजय विशवास पन्त के मुताबिक नगर निगम ने इसके लिए अपनी जमीन भी दे दी है साढ़े तीन हजार वर्ग मीटर पर यह बनेगा। इसका काम शुरु कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को आगे ले जाने के लिए योगी सरकार खिलाड़ियों के कौशल को निखारने के लिए निरन्तर प्रयास कर रही है। शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्र में मिनी स्टेडियम के निर्माण से इसमें सबसे बड़ा बदलाव नजर आ रहा है। प्रयागराज के जसरा ब्लाक में मिनी स्टेडियम बनकर तैयार हो गया है। प्रयागराज के जिला युवा कल्याण अधिकारी शैलेश उपाध्याय बताते हैं कि 493.19 लाख रूपये की लागत से इसका निर्माण किया गया है। जुलाई में इसका औपचारिक उद्घाटन किया जाएगा। इस मिनी स्टेडियम में इनडोर और आउटडोर दोनों प्रकार के खेल के अभ्यास की सुविधा होंगी। इसमें बैडमिंटन, वॉलीबॉल, कबड्डी , एथलेटिक्स, कुश्ती समेत एक दर्जन खेलों का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इस स्टेडियम का निर्माण सिडको की तरफ से किया गया है। इसके अलावा जिले के चार और ब्लाक में मिनी स्टेडियम बनाये गए हैं। शंकरगढ़ , हंडिया, कोरांव और चाका में अभी तक ये मिनी स्टेडियम तैयार हो चुके हैं।

कर्नाटक में चुनावी फिजा तैयार करने में प्रमोद तिवारी को लेकर मगन कांग्रेसी

प्रतापगढ। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बेल्हा के सियासी रसूख को लेकर इधर कांग्रेसी खासे उत्साहित व मगन देखे जा रहे हैं। जिले के दिग्गज कांग्रेसी नेता प्रमोद तिवारी राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता के रूप में पिछले तीन दिनों से कर्नाटक में विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार के लिए जुटे हुए हैं। सोनिया गांधी तथा प्रियंका गांधी व राहुल गांधी एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कर्नाटक में चुनाव प्रचार को पार्टी के लिए मुकाम तक पहुंचाने के लिए राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी भी वहां एडीचोटी का जोर लगाए हुए हैं। रविवार को यहां मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने बताया कि प्रमोद तिवारी कर्नाटक के दौरे में राज्य की जनता से भाजपा के मुख्यमंत्री समेत सत्ता के जरिए व्यापक भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता से कांग्रेस के पक्ष में जनादेश की मजबूत अपील की है। बैंगलूर समेत कई बड़े शहरों में यूपी से वहां रहने वाले लोगों से भी प्रमोद तिवारी ने कांग्रेस के पक्ष में भावनात्मक संवाद के जरिए यह भरोसा जताया है कि कर्नाटक में भाजपा के सफाए के साथ कांग्रेस इस बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। इधर कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भी अपने नेता के बढ़े सियासी कद को देखसुन स्थानीय कांग्रेसियों व प्रमोद तथा मोना के समर्थकों के चेहरे खिले हुए भी दिख रहे हैं। कैंप कार्यालय पर रविवार को जुटे कांग्रेसियों में राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता के रूप में प्रमोद तिवारी की राष्ट्रीय छवि को मिल रही मजबूती की भी खुशनुमा चर्चा देखी सुनी गयी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।